हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक : 316 : जौनपुर, शुक्रवार 18 अगस्त 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज - 4 मूल्य : 2 रूपया

चंद्रयान से अलग हुआ लैंडर

एजेन्सी

चेन्नई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने चंद्रयान–3 मिशन में एक कदम और बढ़ाते हुए गुरुवार दोपहर को मुख्य अंतरिक्ष यान से लैंडर को सफलतापूर्वक अलग किया।

चंद्रयान–3 अंतरिक्ष यान में एक प्रणोदन मॉड्यूल (वजन 2,148 किलोग्राम), एक लैंडर (1,723.89 किलोग्राम) और एक रोवर (26 किलोग्राम) शामिल है। इसरो ने एक्ध्स पर लिखा, "लैंडर मॉड्यूल (एलएम) ने कहारू सवारी के लिए धन्यवाद, दोस्त! एलएम को प्रोपल्शन मॉड्यूल (पीएम) से सफलतापूर्वक अलग कर दिया गया है। कल भारतीय समयानुसार, शाम चार बजे डीबूस्टिंग कर एलएम को थोड़ी नीचे की कक्षा में उतारा जाएगा। इसरो के मुताबिक, लैंडर चंद्रमा की 153 किमी गुना 163 किमी की कक्षा में प्रोपल्शन मॉड्यूल से अलग हुआ। प्रोपल्शन मॉड्यूल इसी कक्षा में महीनों,वर्षों तक अपनी यात्रा जारी रखेगा। इसरो ने बताया, इस पर स्थित शेप पेलोड के चिह्न एकत्र किए जा सकें जहां इंसानों के लिए जीवन संभव हो। इस पेलोड को इसरो के बेंगलुरु

पृथ्वी के वायुमंडल का स्पेक्ट्रोस्कोपिक अध्ययन करेगा और पृथ्वी पर बादलों से ध्रुवीकरण में भिन्नता को मापेगा, ताकि सौर मंडल से बाहर के ग्रहों स्थित यूआर राव सैटेलाइट सेंटर द्वारा विकसित किया गया है। करीब 600 करोड़ रुपये की लागत वाले भारत के तीसरे चंद्र मिशन का मुख्य उद्देश्य लैंडर को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर धीरे से उतारना है। चंद्रयान–2 मिशन इसी चरण में विफल हो गया था जब शविक्रमश नामक लैंडर चंद्रमा पर सॉफ्टलैंडिंग करने की बजाय क्रैश लैंड कर गया था।

इसरो के मुताबिक, लैंडर के 23 अगस्त को शाम 5.47 बजे चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरने की उम्मीद है। लैंडर चंद्रमा की सतह से लगभग 100 किमी की ऊंचाई से चंद्रमा पर उतरेगा। सॉफ्ट लैंडिंग के बाद, छह पहियों वाला रोवर बाहर निकलेगा और एक चंद्र दिवस की अवधि के लिए चंद्रमा की सतह पर प्रयोग करेगा जो पृथ्वी के 14 दिनों के बराबर है। चंद्रयान–3 को 14 जुलाई को एलवीएम3 रॉकेट से पृथ्वी की कक्षा में स्थापित किया गया था। अंतरिक्ष यान 1 अगस्त को पृथ्वी की कक्षा छोड़कर चंद्रमा की लंबी यात्रा पर निकल गया था।

शिवराज ने स्वतंत्रता दिवस पर भी झूठ बोला : कमलनाथ

एजेन्सी

भोपाल। कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के प्रदेशाध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा है कि उन्होंने पिछले साल स्वतंत्रता दिवस पर झूठी घोषणाएं की थी। राज्य में शिवराज सरकार एक लाख युवाओं को नौकरी देने के वादे लगातार कर रही है। इस पर कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ ने पिछले साल स्वतंत्रता दिवस पर की गई घोषणा को याद दिलाते हुए ट्वीट किया, मुख्यमंत्री जी आपने पिछले साल 15 अगस्त को वादा किया था कि एक साल में एक लाख सरकारी नौकरियां प्रदान करेंगे। मुझे आशा थी कि इस स्वतंत्रता दिवस पर आप उन एक लाख सरकारी नौकरियों का ब्यौरा मध्य प्रदेश की जनता के सामने देंगे। नौजवान अगले दिन भी प्रतीक्षा करते रहे कि शायद व्यस्तता के चलते आप एक दिन बाद वह नौकरियां उनके सामने रखें। लेकिन नौकरियां दी होतीं, तब तो आप बताते।

मुख्यमंत्री योगी ने दिए निर्देश

जन शिकायतों के प्रति संवेदनशील रहें अधिकारी, हो त्वरित निस्तारण

लखनऊ (एजेन्सी)। लखनऊ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को अपने सरकारी आवास पर जनता दर्शन कार्यक्रम में लोगों की समस्याओं को सुना और उनके निस्तारण के लिए आदेश दिया। उन्होंने 220 लोगों की समस्याओं को सुना।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जन शिकायतों के प्रति संवेदनशील रहने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया है। गुरुवार को अपने राजकीय आवास पर जनता दर्शन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने आम जन से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। जनता दर्शन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से लगभग 220 जन की उपस्थिति रही, मुख्यमंत्री ने एक–एक करके सबकी समस्याएं सुनीं।उन्होंने सबको आश्वस्त किया कि सबकी समस्या का निस्तारण कराना उनकी प्रतिबद्धता है। सबके प्रार्थना पत्रों को संबंधित अधिकारियों को संदर्भित करते हुए त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है।इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दो टूक हिदायत भी दी कि हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले किसी भी सूरत में बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।मुख्यमंत्री के समक्ष जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे।

विशाखापत्तनम-सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस रद्द

एजेन्सी

विशाखापत्तनम। विशाखापत्तनम–सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस को तकनीकी समस्याओं के कारण गुरुवार को रद्द कर दिया गया। इससे यात्रियों को असुविधा हुई।

ट्रेन संख्या 20833 विशाखापत्तनम–सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस सुबह 5.45 बजे रवाना होने वाली थी। यात्रियों ने कहा कि उन्हें सुबह 5 बजे रद्द होने की सूचना दी गई।

हालांकि, ईस्ट कोस्ट रेलवे के वाल्टेयर डिवीजन ने वंदे भारत एक्सप्रेस के समान स्टॉपेज के साथ उसी रास्ते पर विशाखापत्तनम से सिकंदराबाद तक एक विशेष ट्रेन चलाकर यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की। डिवीजन रेलवे मैनेजर, वाल्टेयर ने कहा, असुविधा के लिए गहरा खेद है। विशेष ट्रेन सुबह 7

बजे विशाखापत्तनम रेलवे स्टेशन से रवाना हुई। मंडल रेल प्रबंधक सौरभ प्रसाद ने स्वयं विशाखापत्तनम स्टेशन पर व्यवस्थाओं की निगरानी की। उनके मुताबिक, यात्रियों ने अपनी सुविधा के लिए वैकल्पिक ट्रेन की व्यवस्था करने पर खुशी जाहिर की। डीआरएम ने यह भी घोषणा की कि विशेष ट्रेन में खानपान सेवाएं प्रदान की गई हैं। उन्होंने यात्रियों से इनका लाभ उठाने का अनुरोध किया। विशाखापत्तनम, 17 अगस्त (आईएएनएस)। विशाखापत्तनम–सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस को तकनीकी समस्याओं के कारण गुरुवार को रद्द कर दिया गया। इससे यात्रियों को असुविधा हुई। ट्रेन संख्या 20833 विशाखापत्तनम–सिकंदराबाद वंदे भारत एक्सप्रेस सुबह 5.45 बजे रवाना होने वाली थी। यात्रियों ने कहा कि उन्हें सुबह 5 बजे रद्द होने की सूचना दी गई।

केजीएमयू में निशुल्क चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

एजेन्सी

लखनऊ। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (पैथोलॉजी विभाग और क्लिनिकल हीमोटोलोजी) के सहयोग से प्रयास संकल्प का और रोटी कपड़ा फाउंडेशनष्के तहत दो दिवसीय निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। लखनऊ के बागामऊ की लेबर कॉलोनी में मुफ्त हेल्थ चेकअप किया गया। इसमें सामाजिक संस्था प्रयास संकल्प का की सचिव गरिमा प्रकाश तथा रोटी कपड़ा फाउंडेशन की उपाध्यक्ष आकांक्षा आनंद और अजय मेहरोत्रा का खास सहयोग रहा। इसमें केजीएमयू डॉ एस पी वर्मा, डॉ रश्मि कुशवाह, डॉ वाहिद अली, डॉ गौरव, डॉ संजय, डॉ वैभव, डॉ फातिमा, और हीरेंद्र ने लोगो की जांच की।

दस आदिवासी विधायक मणिपुर विधानसभा सत्र का करेंगे बहिष्कार

एजेन्सी

इंफाल। सुरक्षा कारणों से मणिपुर में आदिवासियों के लिए अलग प्रशासन की मांग कर रहे 10 आदिवासी विधायक 21 अगस्त से शुरू होने वाले राज्य विधानसभा सत्र का बहिष्कार करेंगे।

इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) के प्रवक्ता गिन्जा वुअलजोंग ने कहा कि आदिवासी मंत्री, विधायक, साथ ही आम जनता, मेइतेई बहुल राज्य की राजधानी इंफाल का दौरा करने से डरती है। वुएलजोंग ने फोन पर बताया, "कुकी, जोमी और अन्य आदिवासी समुदायों से संबंधित कोई भी मंत्री, विधायक और नेता सुरक्षा कारणों से इंफाल जाने के इच्छुक नहीं हैं, इसलिए वे सत्र का बहिष्कार करेंगे। विपक्षी कांग्रेस सहित विभिन्न वर्गों की मांग के बाद बुलाए गए आगामी सत्र में जातीय हिंसा पर चर्चा होने की संभावना है, जो 3 मई को भड़की थी और अब तक 260 से अधिक लोग मारे गए हैं, 600 से अधिक घायल हुए हैं और बड़े पैमाने पर विनाश हुआ है। मणिपुर के अग्रणी और प्रभावशाली आदिवासी संगठनों में से एक आईटीएलएफ भी आदिवासियों की हत्याओं और हमलों के प्रति एकजुटता दिखाते हुए विधानसभा सत्र का बहिष्कार कर रहा है। 12 मई से राज्य की सत्तारूढ़ भाजपा के सात विधायकों सहित 10 विधायक आदिवासियों के लिए एक अलग प्रशासन की मांग कर रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह, भाजपा, मैतेई निकाय समन्वय समिति ऑन मणिपुर इंटीग्रिटी (सीओसीओएमआई) और कई अन्य संगठनों ने अलग प्रशासन की मांग का कड़ा विरोध किया। विधायकों ने बुधवार को प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को एक ज्ञापन भेजा, इसमें पांच पहाड़ी जिलों चुराचांदपुर, कांगपोकपी, चंदेल, तेंगनौपाल और फेरजौ के लिए मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक या समकक्ष पदों के सृजन की मांग की गई।

उन्होंने जोमी–कुकी लोगों के उचित पुनर्वास के लिए प्रधान मंत्री राहत कोष से 500 करोड़ रुपये की मंजूरी की भी मांग की। विधायकों ने आरोप लगाया कि इंफाल कुकी–जोमी लोगों के लिए मौत और विनाश की घाटी बन गया है, कोई भी उस शहर में वापस जाने की हिम्मत नहीं करता, जहां राज्य सचिवालय और अन्य महत्वपूर्ण सरकारी कार्यालय और संस्थान सहित महत्वपूर्ण कार्यालय स्थित हैं। ज्ञापन में कहा गया है," राज्य विधानसभा के सदस्यों को भी नहीं बख्शा गया। विधायक वुंगजागिन वाल्टे और उनके ड्राइवर को मई में मुख्यमंत्री के बंगले से एक बैठक से लौटते समय रास्ते में रोक लिया गया था। उनके ड्राइवर को पीट–पीटकर मार डाला गया और विधायक को प्रताड़ित किया गया और पीटा गया। विधायक को सुरक्षा बलों ने बचा लिया और उन्हें नई दिल्ली ले जाया गया, जहां वह शारीरिक और मानसिक रूप से अक्षम हो गए हैं। "अन्य कैबिनेट मंत्रियों, लेटपाओ हाओकिप और नेमचा किपगेन के घर जलकर राख हो गए। विधायकों ने दावा किया कि कुकी–जोमी जनजातियों से संबंधित आईएएस और आईपीएस अधिकारी भी कार्य करने और अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने में असमर्थ हैं।

भाकियू के धरने पहुंचे सिटी मजिस्ट्रेट लिया ज्ञापन

एजेन्सी

अयोध्या। भूमि अधिग्रहण के संबंधा एवं अपनी कई मांगों को लेकर आज भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) जनपद अयोध्या द्वारा सदर तहसील स्थित तिकोनिया पार्क में धरना प्रदर्शन किया।यहां धारना–प्रदर्शन जिलाध्यक्ष अरविंद यादव व प्रदेश सचिव फरीद अहमद के नेतृत्व किया गया। इस दौरान अरविंद यादव ने बताया कि 2017 से लेकर किसानों का सर्किल रेट ना बढ़ाए जाने को लेकर तथा ग्राम मांझा बहरेटा माझा तिहरा माझा रामपुर मांझा दुर्गागंज ऐसे ग्राम सभा के सर्वे बंदोबस्त नहीं हुआ। उसी को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया है।

एडिडास के साथ मिलकर प्रीमियम शूज बनाएगी बाटा

एजेन्सी

नयी दिल्ली। भारत की दिग्गज शूमेकर कंपनी बाटा जल्द ही स्पोर्ट्स वियर मैन्युफैक्चरर एडिडास के साथ इंडियन मार्केट के लिए स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप

करने का प्लान कर रही है। सीएनबी–टीवी 18 ने गुरुवार को अपनी एक रिपोर्ट में बताया कि अभी दोनों कंपनियों के बीच बातचीत एडवांस्ड स्टेज पर है और फाइनल डील की रूपरेखा पर काम चल रहा है। इस खबर के आने के बाद कंपनी के शेयर में आज 5: से ज्यादा की तेजी देखने को मिली। बाटा का शेयर 5.58: बढ़कर 1,739 रुपए पर बंद हुआ। कंपनी के शेयर में बीते छह महीने में 20: से ज्यादा की तेजी आई है। बाटा इंडिया लिमिटेड की एमडी और सीईओ गुंजन शाह ने कहा, कैजुअलाइजेशन और प्रीमियमाइजेशन की हमारी स्ट्रेटजी रिटेल नेटवर्क में विस्तार करने और कोर टेक्नोलॉजी (ईआरपी, मर्चेंडाइजिंग, अन्य के बीच) में इन्वेस्टमेंट में तेजी लाने की है। हमारा मानना है कि भविष्य में प्रॉफिटेबल ग्रोथ के लिए खाका तैयार हो गया है। गुंजन शाह ने कहा, बाटा इंडिया में हम हमेशा अपने स्टोर और वेबसाइट पर कस्टमर एक्सपीरियंस को बेहतर बनाने के लिए पहल लागू करते रहते हैं। हमने कंज्यूमर्स के लिए बाटा शू केयर प्रोग्राम, बाय नाउ पे लेटर और बाटा वॉलेट जैसे इनोवेशन की एक सीरीज पेश की है। उन्होंने आगे कहा, हम सभी ऑपरेशंस में कॉस्ट एफिशिएंसी और अपने रिसोर्स को बेस्ट बनाने पर हमेशा फोकस करते हैं। हमे आगे चलकर डिमांड में फिर से बढ़ोतरी की उम्मीद है। हम टियर 3–5 शहरों, डिजिटल चौनलों में विस्तार करना जारी रखेंगे। इसके अलावा कस्टमर एक्सपीरियंस और ब्रांड मार्केटिंग को बेहतर बनाने में निवेश करेंगे। बाटा इंडिया ने खुद को भारत के सबसे बड़े फुटवियर रिटेलर के रूप में स्थापित किया है। कंपनी के भारत में करीब 700 शहरों में 2,100 से ज्यादा स्टोर्स का इसका रिटेल नेटवर्क, इसे पूरे देश में वाइड रीच प्रोवाइड करता है। इसके स्टोर न केवल प्रमुख स्थानों पर मौजूद हैं, बल्कि छोटे–महानगरों और कस्बों में भी कई कंज्यूमर सेगमेंट्स के लिए प्राइस प्वाइंट्स पर पाए जा सकते हैं।

केजीएमयू में निशुल्क चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

एजेन्सी

लखनऊ। किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (पैथोलॉजी विभाग और क्लिनिकल हीमोटोलोजी) के सहयोग से प्रयास संकल्प का और रोटी कपड़ा फाउंडेशन के तहत दो दिवसीय निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। लखनऊ के बागामऊ की लेबर कॉलोनी में मुफ्त हेल्थ चेकअप किया गया। इसमें सामाजिक संस्था प्रयास संकल्प का की सचिव गरिमा प्रकाश तथा रोटी कपड़ा फाउंडेशन की उपाध्यक्ष आकांक्षा आनंद और अजय मेहरोत्रा का खास सहयोग रहा। इसमें केजीएमयू डॉ एस पी वर्मा, डॉ रश्मि कुशवाह, डॉ वाहिद अली, डॉ गौरव, डॉ संजय, डॉ वैभव, डॉ फातिमा, और हीरेंद्र ने लोगो की जांच की।

सीबीडीटी ने इंश्योरेंस इनकम के टैक्स नियमों में किया बदलाव

एजेन्सी

नयी दिल्ली। सेंट्रल बोर्ड ऑफ डायरेक्ट टैक्सेस (सीबीडीटी) ने 5 लाख रुपए सालाना प्रीमियम वाली लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी के नियमों में बदलाव किया है। नए नियमों के तहत टैक्स एक्ट के सेक्शन 10(10) के तहत उन्हीं पॉलिसियों पर टैक्स छूट मिलेगी, जिनकी सालाना प्रीमियम राशि 5 लाख रुपए से कम है। नए नियम 1 अप्रैल 2023 से लागू होंगे।

इनकम टैक्स एक्ट की धारा 10(10डी) लाइफ इंश्योरेंस पॉलिसी पर मिलने वाले बोनस और दूसरी राशि पर टैक्स छूट देती है। इस नियम मे रेंट अलाउंस, ट्यूशन फीस अलाउंस, ट्रैवल अलाउंस, इंश्योरेंस पॉलिसी प्रीमीयम, ग्रेच्युटी जैसे खर्चो पर टैक्स छूट मिलती है, जो नए नियमों के बाद नहीं मिलेगी। हालांकि, किसी व्यक्ति की मृत्यु पर मिलने वाली किसी भी राशि पर टैक्स छूट जारी रहेगी। नए फार्मूले के अनुसार, अब 5 लाख रुपए सालाना से ज्यादा वाले बीमा की मैच्योरिटी इनकम को इनकम फ्रॉम अदर सोर्सेस माना जाएगा। इनकम टैक्स की धारा 10(10क) में बीमा के प्रीमियम और उसपर मिलने वाली मैच्युरिटी अमाउंट पर कई तरह की टैक्स छूट मिलती थीं, जो अब नहीं मिलेंगी। ऐसे में जो लोग बीमा प्रीमियम के नाम पर टैक्स छूट लेते रहे हैं, उन्हें अब कोई छूट नहीं मिलेगी। वह पॉलिसी जो टैक्स अधिनियम की धारा 10(10) के शर्तों को पूरा करती है, उसमें टैक्स छूट दी जाएगी। क्योंकि पॉलिसी 1 अप्रैल, 2023 से पहले जारी की गई है। भले ही सालाना प्रीमियम की राशि 5 लाख रूपए से ज्यादा है। अगर टैक्सपेयर ने 2033–34 के पहले किसी भी एलिजिबल पॉलिसी पर छूट नहीं ली है, तो इस मामले में अधिनियम की धारा 10(10) के तहत उसे कोई छूट नहीं मिलेगी। क्योंकि, सालाना प्रीमियम की राशि 5 लाख रूपए से ज्यादा है और पॉलिसी 1 अप्रैल 2023 के दिन या उसके बाद ली गई है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने लॉन्च किया प्रोजेक्ट युद्धपोत 'विंध्यगिरी'...जानिए इसकी खासियत

एजेन्सी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने गुरुवार को पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियरिंग लिमिटेड के स्वदेश निर्मित तीसरे युद्धपोत का नामकरण और लॉचिंग की। राष्ट्रपति मुर्मू ने जिस युद्धपोत की लॉन्चिंग की वह नीलगिरी क्लास का फ्रिगेट है और एक स्टेल्थ गाइडेड मिसाइल युद्धपोत है। इस जंगी जहाज को प्रोजेक्ट–17 अल्फा फ्रिगेट के तहत बनाया जा रहा है। परियोजना के तहत कुल सात युद्धपोत का निर्माण होना था जिसमें 'विंध्यगिरि छठा युद्धपोत है। पहले पांच युद्धपोत का जलावतरण 2019 और 2022 के बीच हुआ था। यह तीसरा और आखिरी युद्धपोत है जिसका कोलकाता स्थित युद्धपोत निर्माता ने परियोजना के तहत नौसेना के लिए निर्माण किया है। अधिकारी ने कहा कि उपकरण और पी17ए जहाजों की प्रणालियों के लिए 75 प्रतिशत ऑर्डर स्वदेशी कंपनियों से है।

अनिरुद्ध फाउंडेशन ने कम्पोजिट विद्यालय में किया पौधारोपण

एजेन्सी

अयोध्या। आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत अनिरुद्ध फाउंडेशन द्वारा कंपोजिट विद्यालय उसरु मसौधा में किया गया पौधरोपण। मुख्य अतिथि तक्षशिला आईएएस के डायरेक्टर संतोष मिश्रा ने कहा कि धरती पर जल ऑक्सीजन पौधों की वजह से ही मुमकिन है इसको नजर अंदाज नहीं किया जा सकता है परंतु आज के परिवेश में जिस तरह से पेड़ों की कटाई हो रही है।

हिमाचल के शिमला हादसे में 14 के शव मिले, 7 अब भी लापता

एजेन्सी

शिमला। शिमला के समर हिल इलाके में आज यानी गुरुवार को लगातार चौथे दिन रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। यहां 14 अगस्त को शिव मंदिर लैंडस्लाइड की चपेट में आ गया था। इस हादसे अब तक 14 लोगों के शव मिल चुके हैं। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने कहा कि राज्य में बाहर से आए खासकर बिहार से आए मिस्त्री गलत तरीके से मकान बना रहे हैं। वे एक के ऊपर एक फ्लोर बना देते हैं। नई बन रही बिल्डिंग्स में ना तो साइंटिफिक प्लानिंग है और ना ही कोई निकासी व्यवस्था, इसी वजह से बिल्डिंग्स गिर रही हैं।

इन दिनों मानसून ब्रेक के चलते देश के कई हिस्सों में सूखे जैसे हालात हैं, लेकिन हिमाचल और उत्तराखंड में भारी बारिश हो रही है। जुलाई और अगस्त सबसे ज्यादा बारिश वाले महीने हैं। इनमें मानसूनी ब्रेक आता है तो बादल पहाड़ों पर जमा हो जाते हैं और यहीं सबसे ज्यादा बारिश कराते हैं। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पूर्व सचिव माधवन राजीवन नैयर के मुताबिक, आमतौर पर मानसूनी ब्रेक एक हफ्ते तक चलता है। इस दौरान मानसूनी बादल रेखा हिमालय को छूते हुए गुजरती है। इस बार 6 अगस्त से अब तक ब्रेक के 11 दिन हो चुके हैं। इस कारण बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी और बादल लगातार दोनों राज्यों में जमा होते गए और यहीं बरस गए।

जाणता राजा पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

एजेन्सी

वाराणसी। वाराणसी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ काशी प्रान्त द्वारा बैठक का आयोजन किया गया। अखिल भारतीय सह व्यवस्था प्रमुख अनिल ओक ने कहा कि छत्रपति शिवाजी विश्व को नेतृत्व देने की क्षमता रखते थे,वे मानवीय मूल्यों के सजग प्रहरी भी थे। उन्होंने ने कहा कि मानव मूर्तियों की पूजा करते हैं। मानव की सेवा हेतु इस नाटक का मंचन करते हैं। ओक ने कहा कि शिवा जी के मुम्बई जन्म शताब्दी कार्यक्रम में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गाँधी ने हिस्सा लिया था।

सम्पादकीय

तबाही के सबक

इस साल का मानसून हिमाचल में जिस कदर कहर बनकर बरपा है, वह अप्रत्याशित व भयावह है। दरअसल, मीडिया व पर्यावरणविद् लंबे समय से जिस ग्लोबल वार्मिंग व पर्यावरणीय संकट के प्रति चेता रहे थे, उसने अब हमारे दरवाजे पर दस्तक दे दी है। मंडी से लेकर शिमला तक तबाही का जो मंजर सोशल मीडिया व परंपरागत समाचार माध्यमों में दिखा है उसने शेष देश के लोगों को भी व्यथित किया है। पंद्रह अगस्त को शिमला में समरहिल की त्रासदी ने हर किसी को दुख से भर दिया। वहीं जगह–जगह बहुमंजिली इमारतों के ढहने के दृश्यों ने लोगों के रोंगटे खड़े कर दिये। बताते हैं कि इस मानसून सीजन में हिमाचल में बादल फटने, अतिवृष्टि–भूस्खलन आदि में मरने वालों का आंकड़ा पौने तीन सौ को पार कर गया है। अभी काफी लोग लापता हैं। भूस्खलन की सैकड़ों घटनाएं हुई हैं। राज्य को होने वाले आर्थिक नुकसान का आकलन सात हजार करोड़ से अधिक किया गया है। वास्तविक स्थिति का आकलन दूरदराज के इलाकों से नुकसान की अंतिम सूचना आने के बाद होगा। उफनती नदियां, गरजते बरसाती नाले और दरकते पहाड़ लोगों को भयाक्रांत बना रहे हैं। हिमाचल व उत्तराखंड में लगातार बादल फटने की घटनाएं भयभीत कर रही हैं। यह कुदरत का बदला मिजाज क्यों कहर बरपा रहा है, इसकी तार्किक व्याख्या जरूरी है। पहले बादल फटने की घटनाएं कम ही सुनने में आती हैं। कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि जिन इलाकों में बांधों का निर्माण होता है वहां पर्यावरण में असामान्य आर्द्रता बादल फटने की प्रक्रिया को अंजाम देती है। बहरहाल तय है कि बारिश के पैटर्न में बदलाव आया है। कम समय में अधिक तेज बारिश पहाड़ों को खोखला कर रही है। वहीं तंत्र की काहिली और विकास में भ्रष्टाचार की कलई भी बारिश खोलती है। गुणवत्ता से समझौता और भौगोलिक जरूरतों के अनुरूप सार्वजनिक निर्माण का न होना भी नुकसान की वजह बनता है। यही वजह है कि अंग्रेजों के समय के कई निर्माण जस–के–तस खड़े हैं और बाद के पुल नदियों में बहते नजर आते हैं। बहरहाल, यह तबाही देश के पहाड़ी राज्यों के लिये सबक लेकर आई है। जनसंख्या के बोझ से दबे पहाड़ी इलाके बहुमंजिला इमारतों के अतिरिक्त बोझ को उठाने में सक्षम नहीं हैं। अंग्रेजों के जमाने में पर्वतीय टूरिस्ट स्थलों में आवासीय भवनों के लिये सीमित मंजिलों के निर्माण की ही अनुमति थी। उनकी छतें हल्की होती थीं। खुद को सर्वशक्तिमान समझने वाले मनुष्य को बोध होना चाहिए कि इंसान को पहाड़ पर चढ़ते वक्त झुकना होता है। शिमला व मसूरी जैसे हिल स्टेशन शहरी विलासिता का बोझ उठाने में सक्षम नहीं हैं। हिमाचल व उत्तराखंड के हिमालयी पहाड़ अपेक्षाकृत नये और विकास का अनियंत्रित बोझ उठाने की दृष्टि से संवेदनशील हैं। अनियोजित विकास और व्यावसायिक तथा निर्माण कार्यों के लिये पेड़ों के कटान ने पहाड़ों की उस परत को नष्ट किया है जो तेज बारिश से भूस्खलन को रोकती थी। वहीं नीति नियंताओं ने इन पहाड़ी राज्यों में फोर लेन हाईवे और ऑल वैदर रोड बनाने का जो फैसला लिया, उसने कमजोर पहाड़ों की बुनियाद खोखली कर दी। पहाड़ों को अवैज्ञानिक तरीके से काटा गया। जिससे पहाड़ का आधार कमजोर होने से वे भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील हो गये। दरअसल, वातानुकूलित कमरों में बैठकर पहाड़ों की विकास योजनाओं को बनाने वाले यह भूल जाते हैं कि विकास का मैदानी फार्मूला पहाड़ों में नहीं दोहराया जा सकता। यहां सीमित मंजिलों के भवनों के निर्माण की अनुमति भूमि के वैज्ञानिक अध्ययन के बाद दी जानी चाहिए। उत्तराखंड में जोशीमठ के धंसने के बाद सामने आए एक वैज्ञानिक अध्ययन में बताया गया कि सीवर लाइन का पानी पहाड़ों के भीतर डालने से उनके दरकने की गति बढ़ी है। इस तथ्य के बारे में नीति–नियंताओं को गंभीरता से सोचना होगा। साथ ही हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि पहाड़ों को बचाने के लिये वह अपना योगदान दे। हर काम सरकार ही नहीं करेगी, हमारा व्यवहार और जीवन शैली पहाड़ के मिजाज के अनुरूप होनी चाहिए। अन्यथा हमें पहाड़ के रौद्ररूप देखने के लिये बार–बार तैयार रहना होगा।

आज का राशि फल

मेष :– स्वयं को सही दिशा और लक्ष्य की ओर केंद्रित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होंगे।

वृषभ :– हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व जानकार लोगों से विचार–विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राओं का योग है।

मिथुन :– निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुंदर छबि बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनर्चया के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। घर में खुशहाली होगी।

कर्क :– भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा–बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का सही ढ़ंग से निर्वहन करें। वर्तमान कार्य से मन असंतुष्ट रहेगा। जरूरी कायरे में आलस्य का त्याग करें।

सिंह :– पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु चिंता उत्पन्न होगी। अपने स्वास्य के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्य के प्रति भी ध्यान दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित साधन लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्या :– परिवार की छोटी–छोटी बातों बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन संबंधियों के सुख–दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

तुला :– समय के साथ समझौता करके चलने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझें और स्वयं को उसी ओर केंद्रित करें। पत्नी के साथ मधुर वणी का प्रयोग करें। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

वृश्चिक :–कोई छोटी बात भी परिवार में तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता हेतु नये उत्साह का संचार होगा। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुरत होंगे।

धनु :– किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्मित्ता से पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे। विषम स्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति की ओर अग्रसर होंगे।

मकर :– बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिले–जुले संयोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

कुंभ :– शासन–सत्ता में व्यस्तता बढ़ेगी। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा। सामाजिक सक्रियता से मान–प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीति को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। परिजनों के सुख–दुख के प्रति मन चिंतित होगा।

मीन :– महत्वाकांक्षी अभिलाषाएं मन में असन्तुष्ट पैदा करेंगी। तामसिक विचारों को मन से दूर ही रखें। विपरीतलिंगी संबंधों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय अपेक्षित है।

लाल किले का कद घटाते नरेन्द्र मोदी

15 अगस्त को लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को जिस लहजे में सम्बोधित किया वह उनकी प्रवृत्ति व तेवर के बहुत विपरीत तो नहीं था लेकिन कोई अभिनव दिशा देंगे। आशा की गई थी कि बदहाली से विचलित व व्यथित देश की अवाम और हाल की अनेक घटनाओं से पीड़ित लोगों के जख्मों पर मरहम लगाकर मोदी उन्होंने यह भी संदेश दे दिया कि उनके पास कहने के लिये मौलिक कुछ भी नहीं है। इतिहास को कोसने और सारी योजनाओं का प्रतिफल कहीं दूर भविष्य में उपलब्ध करने

ज्यादातर लोग मानकर चल रहे थे कि अपने दूसरे कार्यकाल के अंतिम स्वतंत्रता दिवस समारोह के बतौर मुख्य अतिथि और दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के प्रमुख होने के नाते वे अमृत काल के समापन अवसर पर दिये जाने वाले उद्बोधन के जरिये राष्ट्र को गरिमामय तरीके से बतलाएंगे कि पूरा देश एक स्पंदित समाज है जिसके पास परस्पर सुख–दुख में एक–दूसरे को सम्भालने की ताकत है और जो उदार और संवेदनशील भी है। मोदी ने एक बार फिर से सभी को निराश किया, जैसा कि वे इसी स्थान पर खड़े होकर पिछले 9 वर्षों से करते आ रहे हैं। वाला मोदी का यह भाषण उनके पिछले किसी भी अन्य उद्बोधन से कतई अलहदा नहीं था। 15 अगस्त का उल्लेख करने वाले उनके वाक्यों को हटा दिया जाये तो यह फर्क करना मुश्किल होगा कि मोदी ये बातें अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच कर रहे हैं या संसद में अविश्वास प्रस्ताव पर बोल रहे हैं। प्रतिपक्ष की आलोचना करने, व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा का इजहार करने और हवाई किले बनाने की उनकी प्रवृत्ति स्थान और प्रसंग विशेष का भेद मिटा देती है। इस बार भी ऐसा ही हुआ। जश्ने–आजादी– 2023 का उनका वक्तव्य केवल उनके अपने पद की ही प्रतिष्ठा में ऐतिहासिक गिरावट दर्ज करने के लिये याद नहीं किया जायेगा बल्कि वह राष्ट्र के सबसे पवित्र पर्व एवं सर्वोच्च मंच की गरिमा दोनों को ही धूल–धुसरित करने वाले ऐसे एकालाप के रूप में दाखिल हो गया है जिसका प्रदर्शन वे अपने दो बार के कार्यकाल में अनगिनत बार कर चुके हैं। चूंकि चुनाव जीतने और सत्ता बनाये रखने में 24–7 व्यस्त रहने वाले मोदी का सारा विमर्श परिवारवाद, तुष्टिकरण और भ्रष्टाचार की घिसी–पिटी बातों तक सीमित था अतरू उनके पास देशवासियों को देने के लिये कुछ था ही नहीं। यह अवसर तमाम क्षुद्रताओं व संकार्णताओं से उठकर कुछ नया कहने और करने की प्रेरणा देने वाला होता है। पिछले सारे प्रधानमंत्रियों ने यही किया है। कई पीएम ऐसे हुए जिनका कद न जवाहरलाल नेहरू जितना था, न ही लालबहादुर शास्त्री साय और न ही इंदिरा गांधी जैसा। हर कोई समकालीन परिस्थितियों, अपनी विशिष्ट कार्य शैली और विचारधारा के अनुरूप देशवासियों से मुखातिब हुआ। सभी प्रधानमंत्री प्राचीर की सीढ़ियों के नीचे दलगत सियासत और निजी विचारों को छोड़कर उद्बोधन के लिये ऊपर चढ़ते थे। वैसे तो मोदी के पहले के सारे वक्तव्यों में भी प्रकारांतर से विरोधियों को ललकारने, कोसने, नीचा दिखाने जैसे तत्व पाये जाते रहे परन्तु मंगलवार का सम्बोधन उनके वर्तमान कार्यकाल का आखिरी था जिसे उन्होंने यूं लिया मानों वे अपने राजनैतिक विरोधियों से हिसाब अंतिम रूप से चुकता कर रहे हों। उनका सर्वाधिक अभद्र प्रदर्शन वह था जब उन्होंने साफ कर दिया कि अगले साल यहां वे ही तिरंगा फहरायेंगे। ऐसा कहना एक तरह से सम्पूर्ण लोकतांत्रिक प्रक्रिया का ही अपमान है। आखिर कोई पीएम यह दावा कैसे कर सकता है कि अगले साल के मध्य में होने जा रहे आम चुनावों में जनता उनकी पार्टी को ही बहुमत से जिताएगी। दूसरे, भारत में प्रधानमंत्री के प्रत्यक्ष चुनाव की व्यवस्था तो है नहीं, जैसी कि अमेरिका में है जहां राष्ट्रपति प्रत्यक्ष प्रणाली से निर्वाचित होता है। यहां सबसे बड़े विजेता दल के द्वारा संसदीय दल में अपना नेता चुना जाता है जो सामान्य तौर पर उस पार्टी के द्वारा भी स्वीकृत होता है। जहां तक भारतीय जनता पार्टी की बात है तो उसके बारे में लोकप्रिय मान्यता यह है (जो काफी हद तक सही है) कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ जिसे तय करता है उसे ही भाजपा कार्यकारिणी अनुमोदित करती है। मोदी के मामले में भी यही हुआ था। अगर मोदी अगले साल भी झंडा फहराने की बात करते हैं तो क्या यह समझा जाये कि उन्हें भाजपा व संघ की अनुमति या स्वीकृति की आवश्यकता नहीं है? क्या वे इन दो संगठनों से बड़े हो गये हैं? अगर ऐसा है तो यह भाजपा–संघ दोनों के लिये चिंताजनक है। गौतम अदानी के साथ उनके संबंधों को लेकर हुए खुलासों के साथ ही उनके नेतृत्व में भारत में फैली परस्पर नफरत, सामाजिक ध्रुवीकरण के कुत्सित प्रयासों से ऊपजी हिंसा (हालिया मणिपुर, मेवात, जयपुर–मुंबई ट्रेन में मुस्लिमों पर गोलीचालन आदि की घटनाएं), मानवाधिकार के हनन जैसे मुद्दों के कारण उनका चेहरा काफी दागदार हो गया है। इसके अलावा सतत मजबूत होते विपक्षी गठबन्धन ने मोदी की जमीन को खिसका दिया है। देश के भीतर व बाहर उनकी जबर्दस्त किरकिरी हुई है। अपनी इसी दरकती जमीन को बचाने के लिये मोदी ने लाल किले का इस्तेमाल एक ओर तो अपने विरोधियों को बदनाम करने के लिये किया तो वहीं अपनी दावेदारी भी पेश की है। मोदी का यह भाषण जनमत को नीचा दिखाना तो है ही, समग्र लोकतांत्रिक प्रणाली का अपमान भी है। मोदी ने इस ऐतिहासिक अवसर एवं स्थान का जैसा इस्तेमाल किया है वह न केवल भौंडा है, बल्कि अनैतिक व अलोकतांत्रिक भी है। मोदी ने अपने पद की गरिमा ही नहीं गिराई, विभिन्न ऐतिहासिक कारणों से भारतीय गर्व के प्रतीक लाल किले का कद भी घटाया है।

परिवर्तन से नए अवसर की उत्पत्ति

संजीव ठाकुर

जब जब मनुष्य ने जड़ता को ललकारा है तब तब परिवर्तन ने दस्तक दी है,और प्रत्येक परिवर्तन अपने साथ–साथ बड़े तथा महान अवसर लेकर आया है। इस अवसर का जिसने भी सदुपयोग कर लाभ उठाया है और अपने अनुकूल बनाने का ऊर्जा के साथ प्रयास किया है वह विश्व विजेता बनने में सक्षम हुआ है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने जिस ष्आई हैव ए ड्रीम ष्की कल्पना की थी वह जीवन के नए अवसर की कल्पना थी। महात्मा गांधी जी ने भी जिस स्वराज की कल्पना अपने मन में की थी वह भी उसी नए अवसर की खोज में उसकी तरफ छेड़ा गया एक अभियान था और बराक ओबामा ने भी कहा था ष्यस वी कैनष ने भी बड़े परिवर्तन को सच्चाई के अवसर की तलाश थी। डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने भी मनुष्य से देवत्व की यात्रा का वर्णन किया था वह भी परिवर्तन के मुख्य द्वार से होकर गुजरता था .जीवन की संपूर्ण यात्रा में व्यक्ति को अपने जीवन में संघर्ष करना पड़ता है और तमाम कठिनाइयों को तोड़कर आगे की ओर अग्रसर होना पड़ता है। अवसर के मार्ग को खोलकर बड़ी विजय की महायात्रा प्राप्त हो सकती है। मूलतः परिवर्तन जीवन की एक मूलभूत विशेषता और एक जरूरी सत्य है बल्कि बेहतर कल तथा विकास के प्रत्येक सपने का हल भी होता है। परिवर्तन में अवसर तलाशने की यात्रा का अस्तित्व ही एक विजय गीत का गान है।

परिवर्तन की इस महा प्रक्रिया का साइकल स्वयं इस बात का साक्ष्य है की परिवर्तन खुद ही नवीनता की एक बड़ी खोज है और परिवर्तन का सीधा अर्थ है जड़ता का नाश है। जो हमारी पुरानी परंपराएं जड़ तथा जंगम हो चुकी है या जो स्वयं को नई परिस्थितियों के अनुसार ढाल पाने में सक्षम नहीं है उसका अंत ही परिवर्तन का प्रस्थान बिंदु होता है और इसका अंत एक बड़े शून्य को जन्म देता है और यह नवीन तथा प्राचीनता के बीच की एक समन्वय की कड़ी होती हैं। और इसमें वह सारे और अवसर निहित होते हैं जिनका चयन ही भविष्य की बुनियाद तय करता है और इस शून्य के काल में किया गया प्रयत्न और प्रयास भविष्य के बड़े भाग्य को तय करता है और किसी समय चक्र के बार–बार परिवर्तन को ही जीवन की संज्ञा दी गई है। गीता में कृष्ण ने इस परिवर्तन वह उसमें अंतर्निहित मौके की तलाश करने का संकेत दिया है। मानवीय इतिहास में भी यदि नजर दौड़ाई तो पहला परिवर्तन 1215 में नागरिक अधिकार पत्र यानी मैग्नाकार्टा की प्राप्ति हुई थी। 12वीं और 13वीं सदी का समय सामंती प्रथा व क्रूरता से भरा समय था जहां मनुष्य एक साधन मात्र था। और उसी समय जब सदियों से भरी जनता को ललकारते हुए परिवर्तन का महत्व तथा सपना मनुष्य के दिमाग में पैदा हुआ,परिवर्तन की इस घड़ी ने एक अवसर को जन्म दिया था और उसी अवसर का उपयोग करते हुए मानव को नागरिक अधिकार पत्र प्रदान किया था। अब मनुष्य स्वयं का कर्ताधर्ता था और उसी नागरिक अधिकार पत्र में किए उल्लेख का परिणाम है कि आज हर समाज को सभ्यता का प्रमाण उसी अधिकार पत्र के आधार पर दिया जाता है।

बीसवीं सदी ने जड़ता पर चोट की, मशीनों के शोर, हथियारों की होड़ के बीच कैलिफोर्निया क्रांति ने विश्व को सूचना प्रौद्योगिकी का उपहार दिया था। इस बड़े परिवर्तन ने संपूर्ण मानव समाज को एक बड़ा अवसर प्रदान किया पूरी कार्यप्रणाली को सरल बनाने और संपूर्ण सामाजिक व्यवस्था को पारदर्शी बनाने का उपहार भी दिया था। यह तो तय है कि जब जब जनता ने समाज की गति को रोकने का प्रयास किया तब मानवीय उद्यम और साहस ने उसे चुनौती दी और नए नए अवसरों की तलाश कर उसका नवीन परिवर्तन का सकारात्मक उपयोग किया। एक प्रसिद्ध कहावत है परिवर्तन के अलावा कुछ भी स्थाई नहीं है यह प्रकृति का एक स्थाई और व्यवस्था जनक है कि परिवर्तनशील होना जिवंतता और संघर्ष का प्रमाण है। जिस व्यक्ति, समाज तथा देश में स्थायित्व जाता है वह विकास के विरुद्ध होने लगता है। परिवर्तन सदैव धीरे–धीरे होते हैं यह अचानक नहीं होते प्राकृतिक व्यवस्था अनुसार हर परिवर्तन का एक बड़ा उद्देश्य होता है हर परिवर्तन अपने साथ एक बड़ा अवसर लेकर आता है यह अवसर नवीन लक्ष्यों के आपूर्ति का और उद्देश्य की ओर बढ़ती आकांक्षा को नवीन सृष्टि के निर्माण को संभव बनाने का प्रयास होता है। परिवर्तन का चक्र स्वयं इस बात का प्रमाण है कि परिवर्तन स्वयं की नवीनता का एक बड़ा स्रोत है। बढ़ती जनसंख्या के लिए उत्पादन की ना तो मात्रा पूरी हो पा रही थी और नाही उत्पादन उसकी गति में भी विराम लग गया था। व्यक्ति, समाज तथा देश के पास पूंजी होने के बावजूद उसके उपयोग का ना तो सामर्थ्य था नहीं उतनी बौद्धिक क्षमता,उसी क्षण विचारों ने परिवर्तन लाना शुरू किया मानव की बुद्धि ने एक बड़ा परिवर्तन लाकर मशीनों का इजाद किया फल स्वरूप कार्य करने की गति को अवसर मिला इस अवसर के साथ उत्पादन मैं भी वृद्धि हुई।

मानव समाज ने इस परिवर्तन तथा नए अवसर की खोज के साथ नई नई वस्तुओं का अंबार लगा और संपूर्ण विश्व में औद्योगिक क्रांति का उदय हुआ। यही औद्योगिक क्रांति विश्व के लिए विकास की नई गाथा है और सफलता के साथ एक नए युग का परिवर्तन भी हुआ है। स्थायित्व के विरुद्ध नए अवसर की तलाश थी मनुष्य के जीवन के नवीन पायदान ओं का आगाज करती है और जीवन परिवर्तनशील होकर नए युग की ओर प्रशस्त होता है। मनुष्य के जीवन में प्रगति विकास और परिवर्तन ही जीवन का असली गुंजन है, और यही विजय यात्रा की ओर मनुष्य, समाज तथा देश को अग्रसर करता है।

सौंदर्य की मरीचिका का मोह, बहुत दिनों तक काम नहीं आता इसका छलावा

बीते दिनों एक दिलचस्प रिपोर्ट आई। इसे सौंदर्य उद्योग पर नजर रखने वाली एक कंपनी ने तैयार किया था। यह इस तरह का पहला अध्ययन है। इसमें बताया गया कि भारत के दस बड़े शहरों में सौंदर्य प्रसाधनों की खरीदारी पर महिलाओं ने छह महीने में पांच हजार करोड़ रुपये खर्च किए। इनमें से चालीस प्रतिशत सामान आनलाइन मंगाया गया। इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि जैसेदृजैसे कामकाजी महिलाओं की संख्या बढ़ती जा रही है, वैसे–वैसे इन उत्पादों की मांग भी बढ़ रही है। पहले जहां महिलाएं लिपस्टिक और नेलपालिश तक सीमित रहती थीं, अब वे तमाम अन्य सौंदर्य उत्पाद भी खरीद रही हैं। होठों की सुंदरता बढ़ाने वाले उत्पादों को सबसे ज्यादा खरीदा गया। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि एशिया इन दिनों ब्यूटी सेंटर बनता जा रहा है। दक्षिण कोरिया तो सौंदर्य के मानक तय कर रहा है। भारत में भी इसकी बहुत गुंजाइश है। बढ़ते शहरीकरण और आनलाइन खरीदारी ने भी इसे बढ़ाया है। पूरे भारत में सौंदर्य प्रसाधन लोकप्रिय होते जा रहे हैं। सौंदर्य उद्योग के लिए निरूसंदेह यह अच्छी खबर है। यह वह वक्त है जब एक ओर महिलाओं के अधिकारों पर जोर है तो दूसरी ओर वे कितनी सुंदर दिखें, इस पर और अधिक जोर है। यानी कि जो स्त्री सुंदर नहीं, वह शायद जीने के काबिल नहीं। और सुंदरता भी कैसी, जिसे सौंदर्य प्रसाधनों से ही बढ़ाया जा सकता है। यानी कि आपके पास पर्याप्त पैसे भी होने चाहिए। जिसके पास पैसे नहीं, जो गरीब, साधनहीन औरतें हैं, उनकी जैसे कोई जगह ही नहीं। दुनियाभर में होने वाली सौंदर्य प्रतियोगिताओं ने इसे और बढ़ाया है। जिन दिनों सुष्मिता सेन और ऐश्वर्य राय ने वैश्विक सौंदर्य प्रतियोगिताएं जीती थीं, तब मशहूर अंग्रेजी लेखिका शोभा डे ने एक पार्टी का वर्णन किया था।

सरकारी नौकरी सदाचारी को

आदित्य नारायण

देश और राज्यों की अपराध की स्थिति का अगर अध्ययन किया जाए तो सबसे चिंताजनक और भयावह आंकड़े महिलाओं के प्रति अपराध या घरेलू हिंसा के मिलते हैं। महिलाओं के प्रति सामान्य छेड़छाड़, आपराधिक मनोभाव से पीछा करना जैसे सामान्य अपराधों से लेकर बलात्कार, गैंगरेप और फिर बेहद बर्बरतापूर्ण हत्या कर देने वाली घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। यह समस्या केवल एक राज्य या समाज की नहीं है बल्कि यह समस्या देशभर की है। स्थिति काफी भयावह है, शायद ही किसी दिन के अखबारों के पन्नें ऐसी दिल दहला देने वाली खबरों से वंचित मिलें। सरकार और समाज ऐसी घटनाओं पर चिंतित हैं। महिला सुरक्षा की तमाम योजनाओं के बावजूद ऐसी घटनाओं में कमी नहीं आ रही, बल्कि इसकी बर्बरता बढ़ती जा रही है। कानून भी सख्त होते जा रहे हैं। मीडिया भी सजग होकर इन घटनाओं के खिलाफ मुहिम में अपनी भूमिका निभा रहा है। अदालतों ने भी अपना रवैया सख्त कर लिया है, फिर भी ऐसी घटनाएं हो रही हैं। मणिपुर में महिलाओं से दरिन्दगी का वीडियो वायरल होने के बाद एक के बाद एक घटनाएं सामने आ रही हैं। इस तरह की मानसिकता के पीछे पितृसत्तात्मक समाज की बहुत गहरी पैठ है। वह पितृसत्तात्मक समाज जो स्त्री को सिर्फ और सिर्फ दासत्व के रूप में देखता है, वह मानसिकता अर्धनारीश्वर की बात नहीं करती। वह स्त्री को पुरुष के साथ जोड़कर संपूर्णता की बात नहीं करती। वह निरंतर इस बात को नहीं उठाती कि यदि पुरुष को अपनी पत्नी का साथ नहीं मिलेगा तो वह पूर्णतरू अधूरा है। वह निरंतर सिर्फ इस बात को उठाती है कि यदि स्त्री ने अपने विवाहित जीवन में परिपूर्णता हासिल नहीं की तो उसका जीवन नगण्य है, उसका अस्तित्व अधूरा है।

महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं उनकी अस्मिता बनाए रखना सरकारों की और समाज की प्राथमिकता है। छत्तीसगढ़ध्के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर घोषणा की है कि अब राज्य में महिलाओं, लड़कियों और बच्चियों से बलात्कार, छेड़छाड़ और अन्य अपराध करने वालों को सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी। छेड़छाड़ करने वाले मनचलों का रिकार्ड रखा जाएगा और उनके कैरेक्टर सर्टिफिकेट में भी इसका उल्लेख किया जाएगा।

केनरा बैंक के अंचल प्रमुख आलोक कुमार अग्रवाल महाप्रबंधक ने प्रातः साढ़े आठ बजे ध्वजारोहण किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। केनरा बैंक के अंचल प्रमुख आलोक कुमार अग्रवाल महाप्रबंधक ने प्रातः साढ़े आठ बजे ध्वजारोहण किया गया, इसके पश्चात सभी स्टाफ सदस्यों को पंच प्रण प्रतिज्ञा दिलाई गई, इस अवसर पर बैंक के संस्थापक को याद करते हुए उनकी मूर्ति पर माल्यार्पण किया गया। उपस्थित स्टाफ सदस्यों के बच्चों और कार्यपालकों द्वारा तिरंगे रंग में रंगे गुब्बारे छोड़े गए, इस अवसर पर सभी स्टाफ सदस्यों के लिए और छोटे बच्चों के लिए विभिन्न खेल कूद प्रतियोगिताओं और सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सभी ने बड़े ही उत्साह से प्रतिभागिता की। संजय पंजियारा के देश भक्ति गीत और नव्या गुप्ता और स्वयं गुप्ता के नृत्य ने सभी का मन मोह लिया। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर विभाजन की त्रासदी को भी दर्शाया गया था, जिसका अवलोकन सभी स्टाफ सदस्यों ने किया और उस दिन की पीड़ा को जाना। इस अवसर पर अंचल कार्यालय लखनऊ के उप महा प्रबंधक द्वय संजय कुमार और लोक नाथ उपस्थित रहे, साथ ही सहायक महा प्रबंधक मनीष कुमार, अरुण श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे। क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ 1 के क्षेत्रीय प्रमुख अमित कुमार अस्थाना ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम को गति दी।

प्रणवम्: भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न राजीव गांधी के पुण्यतिथि पर डॉ प्रमोद के सिंह ने दी श्रद्धांजलि

यादों में रहेंगे पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न राजीव गांधी - डॉ प्रमोद के सिंह

जौनपुर (विशेष सम्वाददाता) मुंगरा बादशाहपुर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी डॉ प्रमोद के सिंह ने प्रणवम् स्कूल में सुजानगंज के युवावों को संबोधित करते हुए कहा 40 वर्ष की उम्र में प्रधानमंत्री बनने वाले भारत रत्न राजीव गांधी भारत के सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री थे और संभवतः दुनिया के उन युवा राजनेताओं में से एक हैं जिन्होंने सरकार का नेतृत्व किया है। उनकी माँ श्रीमती इंदिरा गांधी 1966 में जब पहली बार प्रधानमंत्री बनी थीं, तब वह उनसे उम्र में आठ साल बड़ी थीं। उनके महान नानाजी पंडित जवाहरलाल नेहरू 58 वर्ष के थे जब उन्होंने स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री के रूप में 17 साल की लंबी पारी शुरू की थी।

देश में पीढ़ीगत बदलाव के अग्रदूत श्री गांधी को देश के इतिहास में सबसे बड़ा जनादेश प्राप्त हुआ था। अपनी मां की हत्या के शोक से उबरने के बाद उन्होंने लोकसभा के लिए चुनाव कराने का आदेश दिया। उस चुनाव में कांग्रेस को पिछले सात चुनावों की तुलना में लोकप्रिय वोट अधिक अनुपात में मिले और पार्टी ने 508 में से रिकॉर्ड 401 सीटें हासिल कीं।

700 करोड़ भारतीयों के नेता के रूप में इस तरह की शानदार शुरुआत किसी भी परिस्थिति में उल्लेखनीय मानी जाती है। यह इसलिए भी अद्भुत है क्योंकि वे उस राजनीतिक परिवार से संबंधित थे जिसकी चार पीढ़ियों ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान एवं इसके बाद भारत की सेवा की थी, इसके बावजूद श्री गांधी राजनीति में अपने प्रवेश को लेकर अनिच्छुक थे एवं उन्होंने राजनीति में देर से प्रवेश भी किया।

श्री राजीव गांधी का जन्म 20 अगस्त 1944 को बम्बई में हुआ था। वे सिर्फ तीन वर्ष के थे जब भारत स्वतंत्र हुआ और उनके दादा स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री बने। उनके माता–पिता लखनऊ से नई दिल्ली आकर बस गए। उनके पिता फिरोज गांधी सांसद बने एवं जिन्होंने एक निडर तथा मेहनती सांसद के रूप में ख्याति अर्जित की।

राजीव गांधी ने अपना बचपन अपने दादा के साथ तीन मूर्ति हाउस में बिताया जहाँ इंदिरा गांधी ने प्रधानमंत्री की परिचारिका के रूप में कार्य किया। वे कुछ समय के लिए देहरादून के वेल्हम स्कूल गए लेकिन जल्द ही उन्हें हिमालय की तलहटी में स्थित आवासीय दून स्कूल में भेज दिया गया। वहां उनके कई मित्र बने जिनके साथ उनकी आजीवन दोस्ती बनी रही। बाद में उनके छोटे भाई संजय गाँधी को भी इसी स्कूल में भेजा गया जहाँ दोनों साथ रहे।

स्कूल से निकलने के बाद श्री गाँधी कैम्ब्रिज के ट्रिनिटी कॉलेज गए लेकिन जल्द ही वे वहां से हटकर लन्दन के इम्पीरियल कॉलेज चले गए। उन्होंने वहां से मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई की।

यह तो स्पष्ट था कि राजनीति में अपना करियर बनाने में उनकी कोई रूचि नहीं थी। उनके सहपाठियों के अनुसार उनके पास दर्शन, राजनीति या इतिहास से संबंधित पुस्तकें न होकर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग की कई पुस्तकें हुआ करती थीं। हालांकि संगीत में उनकी बहुत रुचि थी। उन्हें पश्चिमी और हिन्दुस्तानी शास्त्रीय एवं आधुनिक संगीत पसंद था। उन्हें फोटोग्राफी एवं रेडियो सुनने का भी शौक था।

हवाई उड़ान उनका सबसे बड़ा जुनून था। अपेक्षानुसार इंग्लैंड से घर लौटने के बाद उन्होंने दिल्ली फ्लाइंग क्लब की प्रवेश परीक्षा पास की एवं वाणिज्यिक पायलट का लाइसेंस प्राप्त किया। जल्द ही वे घरेलू राष्ट्रीय जहाज कंपनी इंडियन एयरलाइंस के पायलट बन गए।

कैम्ब्रिज में उनकी मुलाकात इतालवी सोनिया मैनो से हुई थी जो उस समय वहां अंग्रेजी की पढ़ाई कर रही थीं। उन्होंने 1968 में नई दिल्ली में शादी कर ली। वे अपने दोनों बच्चों, राहुल और प्रियंका के साथ नई दिल्ली में श्रीमती इंदिरा गांधी के निवास पर रहे। आस–पास राजनीतिक गतिविधियों की ऐसी हलचल के बावजूद वे अपना निजी जीवन जीते रहे।

लेकिन 1980 में एक विमान दुर्घटना में उनके भाई संजय गाँधी की मौत ने सारी परिस्थितियां बदल कर रख दीं। उनपर राजनीति में प्रवेश करने एवं अपनी माँ को राजनीतिक कार्यों में सहयोग करने का दवाब बन गया। फिर कई आंतरिक एवं बाह्य चुनौतियाँ भी सामने आईं। पहले उन्होंने इन दबावों का विरोध किया लेकिन बाद में वे उनके द्वारा दिए गए तर्क से सहमत हो गए। उन्होंने अपने भाई की मृत्यु के कारण खाली हुए उत्तर प्रदेश के अमेठी संसद क्षेत्र का उपचुनाव जीता।

नवंबर 1982 में जब भारत ने एशियाई खेलों की मेजबानी की थी, स्टेडियम के निर्माण एवं अन्य बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने संबंधी वर्षों पहले किये गए वादे को पूरा किया गया था।

श्री गांधी को यह जिम्मेदारी दी गई थी कि सारे काम समय पर पूर्ण हों एवं यह सुनिश्चित किया जा सके कि बिना किसी रूकावट एवं खामियों के खेल का आयोजन किया जा सके। उन्होंने दक्षता एवं निर्बाध समन्वय का प्रदर्शन करते हुए इस चुनौतीपूर्ण कार्य को संपन्न किया। साथ–ही–साथ कांग्रेस के महासचिव के रूप में उन्होंने उसी तन्मयता से काम करते हुए पार्टी संगठन को व्यवस्थित एवं सक्रिय किया। उनके सामने आगे इससे भी अधिक मुश्किल परिस्थितियां आने वाली थीं जिसमें उनके व्यक्तित्व का परीक्षण होना था।

श्री गांधी से ज्यादा दुखद एवं कष्टकर परिस्थिति में कोई सत्ता में क्या आ सकता है जब 31 अक्टूबर 1984 को अपनी मां की क्रूर हत्या के बाद वे कांग्रेस अध्यक्ष एवं देश के प्रधानमंत्री बने थे। लेकिन व्यक्तिगत रूप से इतने दुरूखी होने के बावजूद उन्होंने संतुलन, मर्यादा एवं संयम के साथ राष्ट्रीय जिम्मेदारी का अच्छे से निर्वहन किया।

महीने भर के लंबे चुनाव अभियान के दौरान श्री गांधी ने पृथ्वी की परिधि के डेढ़ गुना के बराबर दूरी की यात्रा करते हुए देश के लगभग सभी भागों में जाकर 250 से अधिक सभाएं कीं एवं लाखों लोगों से आमने–सामने मिले।

स्वभाव से गंभीर लेकिन आधुनिक सोच एवं निर्णय लेने की अद्भुत क्षमता वाले श्री गांधी देश को दुनिया की उच्च तकनीकों से पूर्ण करना चाहते थे और जैसा कि वे बार–बार कहते थे कि भारत की एकता को बनाये रखने के उद्देश्य के अलावा उनके अन्य प्रमुख उद्देश्यों में से एक है दृ इक्कीसवीं सदी के भारत का निर्माण।

यह राजीव गांधी ही थे, जिन्होंने भारत में दूरसंचार क्रांति लाई.आज जिस डिजिटल इंडिया की चर्चा है, उसकी संकल्पना राजीव गांधी अपने जमाने में कर चुके थे. उन्हें डिजिटल इंडिया का आर्किटेक्ट और सूचना तकनीक और दूरसंचार क्रांति का जनक कहा जाता है. राजीव गांधी की पहल पर अगस्त 1984 में भारतीय दूरसंचार नेटवर्क की स्थापना के लिए सेंटर पार डिवेलपमेंट ऑफ टेलीमैटिक्स(ब–क्व्)की स्थापना हुई. इस पहल से शहर से लेकर गांवों तक दूरसंचार का जाल बिछना शुरू हुआ. जगह–जगह पीसीओ खुलने लगे. जिससे गांव की जनता भी संचार के मामले में देश–दुनिया से जुड़ सकी. फिर 1986 में राजीव की पहल से ही एमटीएनएल की स्थापना हुई, जिससे दूरसंचार क्षेत्र में और प्रगति हुई ।

मोबाइल चोर चोरी की चार मोबाइल के साथ गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मछलीशहर कोतवाली थाना अंतर्गत पुलिस द्वारा शातिर मोबाइल चोर महताब को चोरी की 04 मोबाइलों के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक अजय पाल शर्मा द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाये गये सघन अभियान के क्रम मे पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेन्द्र कुमार सिंह तथा क्षेत्राधिकारी मछलीशहर अतर सिंह के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष मछलीशहर यजुवेन्द्र कुमार सिंह द्वारा घर में घुसकर मोबाइल चोरी से सम्बन्धित शातिर मोबाइल चोर महताब पुत्र नसीम निवासी मोहल्ला अलवियाना थाना मछलीशहर को शुक्रवार को ताजुद्दीनपुर पूराफगुई नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारशुदा अभियुक्त के कब्जे से चार चोरी की मोबाइलों की बरामदगी की गयी, बरामद मोबाइलों की पहचान मौके पर ही पीडितो द्वारा आकर की गयी।अभियुक्त को आवश्यक कार्यवाही करतेहुए न्यायालय भेजा जा रहा है। कुछ दिनों पहले मोबाइल चोरी से

पीड़ित मोहम्मद इमरान पुत्र हबीबुल्लाह अंसारी निवासी मोहल्ला उमराना थाना मछलीशहर ने तहरीर देकर मोबाइल चोरी होने का प्रार्थना पत्र दिया था। इस मामले में मुकदमा दर्ज करके चोर की तलाश की जा रही थी कि शुक्रवार को ताजुद्दीनपुर पुराफगुई नहर पुलिया से मोबाइल चोर अभियुक्त महताब पुत्र नसीम निवासी मोहल्ला अलवियाना थाना मछलीशहर से गिरफ्तार कर लिया गया।, जिसके कब्जे से चोरी की चार मोबाइल बरामद हुआ । बरामदगी के आधार पर मुकदमा में धारा की वृद्धि की गयी । बरामद मोबाइलों के स्वामियों को मौके पर तलब किया गया, जिनके द्वारा अपनी अपनी मोबाइलों को पहचाना किया गया । सबकी मोबाइल दिया गया है।

एमओयू के माध्यम से पीयू को मिलेगी स्वास्थ्य सुविधाएं : कुलपति

1–फैकल्टी एक्सचेंज समेत अन्य सुविधा उपलब्ध कराएगा मेडिकल कालेज: शिवकुमार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर और उमानाथ सिंह स्वात्तशासी राजकीय मेडिकल कालेज के बीच शुक्रवार को कुलपति सभागार में एमओयू पर हस्ताक्षर किया गया। इससे स्वास्थ्य के क्षेत्र में शोध और चिकित्सा सुविधा को बढ़ावा मिलेगा। दोनों जगह के विद्यार्थियों को दोनों संस्थानों में इंटर्नशिप की भी सुविधा दी जायेगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर निर्मला एस. मौर्य ने कहा कि एमओयू के माध्यम से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और फैकल्टी के साथ इंटरेक्शन और एक्सचेंस प्रोग्राम किया जाएगा। इसी के साथ दोनों संस्थानों के संसाधनों की सुविधा और संसाधन का समुचित उपयोग छात्रहित में किया जा सकेगा। विश्वविद्यालय एमओयू के माध्यम से विद्यार्थियों और शिक्षकों को उच्च तकनीकी और अच्छी सुविधा उपलब्ध कराने का हर संभव प्रयास कर रहा है, ताकि उन्हें रोजगार के अवसर मिल सके। इस अवसर पर उमानाथ सिंह स्वात्तशासी राजकीय मेडिकल कालेज के प्राचार्य डॉ. शिवकुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के साइंस, फार्मेसी समेत जिन विभागों के पाठ्यक्रम मेडिकल कालेज से मिलते–जुलते हैं उनके साथ फैकल्टी एक्सचेंज की सुविधा मुहैया कराई जाएगी। सांस्कृतिक और सामाजिक गतिविधियों को साथ मिलकर किया जाएगा। विश्वविद्यालय में सेमिनार और स्वास्थ्य शिविर लगाकर यहां के विद्यार्थी, शिक्षक और कर्मचारियों को स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराई जाएगी। विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केंद्र में कालेज के दो एमबीबीएस चिकित्सक रोज बैठेंगे। मरीजों को परामर्श के साथ–साथ कुछ दवाइयां भी मेडिकल कालेज से दी जाएंगी। इस अवसर पर नोडल अधिकारी मनोज पांडेय ने एमओयू के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। अतिथियों का स्वागत प्रो. मानस पांडेय ने किया और धन्यवाद ज्ञापन प्रो. अजय द्विवेदी ने किया। स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक डॉ. पुनीत सिंह ने चिकित्सकों की टीम को स्वास्थ्य केंद्र का भ्रमण कराया साथ ही 30 बेड की सुविधा भी दिखाई। इसके बाद स्वास्थ्य केंद्र परिसर में छात्र अधिष्ठाता, प्राचार्य, चिकित्सक, वित्त अधिकारी ने पौधरोपण किया। इस अवसर पर कुलसचिव महेंद्र कुमार, वित्त अधिकारी संजय कुमार राय, प्रो. राजेश शर्मा, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. रजनीश भास्कर, डॉ. प्रमोद कुमार यादव, डा. संजीव गंगवार, डॉ. राजकुमार, डॉ. सुनील कुमार, सहायक कुलसचिव बबीता सिंह डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, डॉ. अमित वत्स आदि उपस्थित थे।

किसानपने हक की लड़ाई लड़ने के लिए खुद आए आगे-- राजनाय

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। किसानों को अपने हक की लड़ाई लड़ने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिएद्य इसके लिए किसानों को खुद आगे आना होगा। मजबूत संगठन ही एक मात्र माध्यम हैद्यउक्त बातें भारतीय किसान यूनियन के प्रदेश सचिव राजनाथ यादव ने मुंगराबादशाहपुर में जंघई रोड पर स्थित यूनियन कार्यालय पर कहींद्यउन्होंने कहा कि अन्नदाता कहलाने वाला किसान की बेहतरीन से ही मुल्क की तरक्की होना संभव हैद्यवर्तमान सरकार की बेरूखी रवैया के कारण किसानों को उनके फसलों का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा हैद्यमहंगाई बेकाबू हो गया हैद्यजिसके कारण किसानों व गरीबों का जीवन जीना दूभर हो गया हैद्यखेती संबंधित संसाधन,खाद बीज व बिजली इतनी महंगी हो गई हैद्यजो किसानों का कमर तोड़ दे रहा हैद्यउन्होंने किसानों की लड़ाई लड़ने के लिए राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत के साथ कंधा से कंधा मिलाकर चलने का आवाह्न किया है।अंत में देश के जवानों को श्रद्धा सुमन अर्पित करके नमन किया गयाद्यतिरंगा झंडा को सलामी देकर इसके आन बान शान पर मर मिटने का संकल्प लिया गया द्यमुख्य रूप से बसंत लाल गौतम,बाबू राम पटेल,धर्मराज पटेल,जगदंबा प्रसाद,गंगा प्रसाद यादव,विश्वनाथ,रईस अहमद,रामदेव,राम सूरत पटेल,प्रेम सागर,चंद्रबली,रामसुख,कृष्णा सिंह,नगीना गौतम, कंचन देवी,मंजूसीता देवी,अक्षय भाई आदि थे।

एक साल बाद भी काम अधूरा,हो गया पूरे का भुगतान बीडीओ के निरीक्षण में खुली पोल

क्षेत्र पंचायत से कराए गये काम में साढ़े चार लाख का गोलमाल

जौनपुर। खुटहन विकास खंड के पिलकिछा गांव के नकबी पुरवा कस्तरा बस्ती में क्षेत्र पंचायत से कराये गये लाखों की लागत से ह्यूमन पाइप से बंद नाली का काम तो चौथाई भी पूरा ही नहीं हुआ, लेकिन साढ़े चार लाख का सरकारी धन का भुगतान एक साल पूर्व ही कर दिया गया। लाखों के गोलमाल का मामला तब खुला जब ग्रामीणों की शिकायत शुक्रवार को बीडीओ गौरवेंद्र सिंह व जेई बिजय सिंह स्थलीय निरीक्षण को पहुंचे। आधा अधूरा काम और पूरे का वर्षों पूर्व भुगतान की फाइल देख वे भी भौचक रह गये। काम की स्थिति देखकर तमतमाए बीडीओ ने जेई आरएस को नोटिस देते हुए कहा कि क्यों न मुख्यमंत्री के जीरो टालरेंस नीति के तहत आपके खिलाफ कार्रवाई की जाय।

मजरा निवासी श्रीमती मालती, बिजयलक्ष्मी, शीला,लक्ष्मी, सोनी,रीना आदि ने बीडीओ को शिकायती पत्र देकर आरोप लगाया था कि बस्ती में मई 2023 में बंद नाली बनाए जाने के लिए मार्ग का लगभग 225 मीटर खड़ंजा उखाड़ दिया गया था। मात्र 67 भीतर ह्यूमन पाइप डाल रास्ते पर मिट्टी बिछा दी गई। लगभग 158 मीटर रास्ते को खोदकर छोड़ दिया गया है। उसमें बड़ी बड़ी घासें उग आई है। जिससे बिषधर जन्तुओ का खतरा हमेशा बना रहता है।

मामले को गंभीरता से लेकर बीडीओ ने फाइल मंगवाकर देखा तो 2022 में ही उस पर साढ़े चार लाख का भुगतान हो चुका है। वे सुइथा ब्लाक में तैनात जेई को साथ लेकर मौके पर पहुंच काम का सत्यापन किए तो आरोप सत्य पाया गया। बस्ती के दद्दन के घर से तालाब तक 225 मीटर बंद नाली के निरीक्षण में तमाम खामियां मिलीं। तालाब से पहले लगभग 158 मीटर तक रास्ते में गड्ढा बनाकर छोड़ा पाया गया। इसमें नद्द तोद्द चेंबर बना है और न ही ईंट चिनाई की गई है। बस्ती के पानी की निकासी भी नहीं हो रही है। मौके पर बीस ह्यूमन पाइप पड़ी दिखाई दी। नाली के नाम पर कागज में साढ़े चार लाख का ब्यय दिखाकर जुलाई 2022 में ही भुगतना करा लिया गया है। इस संबंध में ब्लाक प्रमुख बृजेश यादव ने कहा कि बरसात की वजह से काम अधूरा है।जिसे बहुत जल्द पूरा करा दिया जाएगा।

दिव्यांग बच्चों के स्कूल में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस का पर्व

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। राजेश स्नेह ट्रस्ट आफ एजुकेशन दिव्यांग बच्चों का स्कूल एवं पुनर्वास केंद्र रूहट्टा में स्वतंत्रता दिवस का पर्व धूमधाम से मनाया गया। सर्वप्रथम स्कूल के प्रबंधक राजेश कुमार वरिष्ठ पत्रकार दीपक श्रीवास्तव व संस्था के सम्मानित लोगो ने एक साथ ध्वजारोहण किया गया। तदुपरांत दिव्यांग बच्चों ने देश भक्ति गीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम नृत्य प्रस्तुत कर सभी लोगों का। मन मोह लिया। इस अवसर पर दीपक श्रीवास्तव पत्रकार ने कहा की इन बच्चों के साथ सहानुभूति पूर्ण व्यवहार नहीं करना है बल्कि इनको प्रशिक्षित कर समाज के साथ चलने योग्य बनाना है। जिससे ये बच्चे लोग अपना भविष्य संवार सके और अच्छी तरह से जीवन यापन कर सके जीविका चला सके इन बच्चों के लिए जो भी संभव मदद होगी वह करूंगा इसी क्रम में डॉ गौरव प्रकाश ने सहयोग की बात करते हुए कहा कि बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने के लिए जो भी हमसे हो सकता है पूरी मदद करूंगा इसी प्रकार आनंद देव भी सहयोग की बात कहें वही शरद साहू व तरन सिंह भी सहयोग की बात कहें।

इस कार्यक्रम में दंत चिकित्सक डॉक्टर गौरव प्रकाश। आनंद देव। किरन राजेश गुप्ता प्रवेश गुप्ता रौनक गुप्ता रिशु गुप्ता।खुशबू श्रीवास्तव विनय शुक्ला बृजेश सिंह नित्य सिंह आर्यवर्धन सत्वीर सिंह सलमान शेख समाजसेवी सत्यम प्रजापति पत्रकार डॉ विवेक सिंह शरद साहू सदफ मुमताज अदिती गुप्ता समन परवीन अमीर अधिवक्ता शिव कुमार आलम अभिषेक मौर्य आदर्श सिंह अनिता सिंह पुष्पम सिद्धार्थ,

हुजैफा शशांक पाठक इत्यादि लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रियंका श्रीवास्तव ने किया अंत में प्रबंधक राजेश कुमार ने सभी अतिथियों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

गंभीर व बेहोशी हालत में झाड़ी में मिला मासूम बच्चा

रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव

'पाली–हरदोई' नगर के मो0 सराय सैफ निवासी हरिओम पाण्डेय का एकलौता पुत्र आरव उम्र 3 वर्ष शुक्रवार को लगभग दिन के 1रू00 बजे अपने घर के बाहर खेल रहा था। खेलते समय वह अचानक गायब हो गया। परिवार वालों ने काफी खोजबीन करने के बाद भी आरव का कुछ पता नहीं चल सका। काफी संख्या में परिजनों ने लापता बच्चे की तलाश शुरू कर दी। तलाश करते वक्त एक व्यक्ति की नजर पुरानी मछली मंडी की झाड़ियों की तरफ पड़ी तो देखा कि बच्चे की चप्पल पड़ी है, उसी शक के आधार पर लोगों ने झाड़ियों के अंदर घुस कर देखा तो बच्चा बेहोशी हालत में पड़ा था,जिसे देखकर लोगों के होश उड़ गये। बच्चे के कान से खून भी बह रहा था। लोगों ने परिजनों को सूचना दी ,मौके पर पहुंचे परिजनों ने बच्चे को लेकर आनन–फानन में शाहजहांपुर इलाज के लिए ले जा रहे थे, तभी रास्ते में ही बच्चे की सांसे थम गई और उसकी मौत हो गई। इस घटना को लेकर नगर में तरह–तरह की चर्चाएं हो रही है। घर वालों का रो–रोकर हाल बेहाल हो रहा था। बच्चे को देखकर लोग अपने आप के आंसू रोक नहीं पा रहे थे। इकलौता पुत्र होने के नाते उसका लाड़ प्यार बहुत किया जा रहा था। उसके चले जाने से माता पिता का हाल बेहाल हो गया। उनका दर्द देखा नहीं जा रहा था। खबर लिखे जाने तक पुलिस को सूचना नहीं दी गयी, वहीं परिजन बच्चे की हत्या की आशंका जता रहे हैं।

एस पी ने सौंपी इंस्पेक्टर श्याम सुंदर को थाना कोतवाली देहात की कमान

सुल्तानपुर,। प्रभारी निरीक्षक थाना धम्मौर रहे श्यामसुंदर को देहात कोतवाल बनाकर भेजा गया है।अधिवक्ता आजाद हत्याकांड के मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी की जिम्मेदारी श्यामसुंदर को सौंपी गई। हिस्ट्रीशीटर सिराज अहमद पप्पू और प्रिंस की गिरफ्तारी इंस्पेक्टर श्याम सुंदर के लिए चुनौती होगी। एक लाख के इनामी सिराज का पता लगाने में अब तक एसओजी नाकाम रही है। एसपी सोमेन वर्मा ने बताया है कि धम्मौर में जल्द नए थानाध्यक्ष की तैनाती की जाएगी।

समाज एवं देश के विकास हेतु सदैव प्रयत्नशील रहेंगे रूसीमा द्विवेदी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर पंच प्रण युवा संवाद भारत / 2047 भारत के पंच प्रण पर युवा परिचर्चा सरजू प्रसाद शैक्षणिक सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्थान व नेहरू युवा केंद्र युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा बी० आर०पी० इण्टर कालेज में आयोजित किया गया स

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सीमा द्विवेदी सांसद राज्यसभा एवं सुरेंद्र सिंह पूर्व विधायक द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया स कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि हम सुसंस्कार एवं व्यक्तित्व निर्माण तथा देश को विकास के पथ पर अग्रसर करने हेतु पंच प्रण लेते हैं स मनसा वाचा कर्मणा से देश को विकसित करने हेतु सदैव तत्पर एवं प्रयत्नशील रहेंगे स दास्ता एवं औपनिवेशिक मानसिकता के किसी भी प्रतीक को हम अपने आचार एवं व्यवहार से दूर रखेंगे स मुख्य अतिथि सीमा द्विवेदी ने कहा कि हमें गर्व अपने देश की अनमोल विरासत सार्वभौम परंपरा पर और हम निरंतर गौरवान्वित होकर इस मनोभाव को अंगीकार करेंगे स देश की एकता एवं अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने हेतु सदैव अनवरात प्रयत्नशील होकर देश को विघ्नकारी तत्वों से सुरक्षित रखने हेतु हमेशा प्रयासरत रहेंगे स एक जागरूक नागरिक होने के नाते हमें अपने उत्तरदायित्व एवं कर्तव्य बोध के प्रति जागरूक होकर समाज एवं देश के विकास हेतु सदैव प्रयत्नशील रहेंगे स

सर्वप्रथम अतिथियों को बुके, स्मृति चिन्ह, अंग वस्त्र, बैज लगाकर भेंट कर भव्य स्वागत प्रधानाचार्य डा० सुबाष चन्द्र सिंह जिला युवा अधिकारी द्वारा किया गया स कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञों द्वारा पंचप्रण पर अनमोल एवं अमूल्य विचार दिया गया।सांसद एवं विधायक द्वारा सभी छात्र–छात्राओं एवं उपस्थित बड़ी जनसमुदाय को पंचप्रण का शपथ दिलाया गया स श्रेष्ठ युवा प्रतिभागियों को ट्राफी एवं प्रमाण पत्र वितरण किया गया।

कार्यकम का संचालन विधिक सेवा प्राधिकरण मध्यस्ता अधिकारी डॉ० दिलीप सिंह ने किया ।इस अवसर पर दिनेश मणि ओझा, प्रेम प्रकाश मिश्र पूर्व डाक अधीक्षक, प्रभाकर त्रिपाठी पूर्व प्राचार्य पी० जी० कुटीर चक्के के, प्रो० रमेश मणि त्रिपाठी, प्रबंधक संजय उपाध्याय, प्राचार्य डॉ सुभाष सिंह बीआरपी कॉलेज कवित्री विभा तिवारी, विजय मिश्रा, एवं संस्था एवं विद्यालय के लोग काफी संख्या में उपस्थित रहे।

सावन झूला मेले के दौरान जिला प्रशासन व अन्य विभाग सक्रिय

जिला प्रशासन के साथ पुलिस, जीआरपी, रोडवेज विभाग दिख रहा मुस्तैद

अयोध्या। सावन झूला मेला के दौरान श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो इसके लिए जिला प्रशासन से लेकर सभी विभागों के अधिकारी व कर्मी एड़ी चोटी एक कर दिये है।सावन झूला मेला के दौरान श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की कोई परेशानी न हो इसको लेकर जिलाधिकारी नितीश कुमार एसएसपी राज करन नैय्यर व संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक व राम नगरी का निरीक्षण पिछले कई दिनों से दिखाई दे रहे हैं।मेले को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये उन्होंने मेला प्रभारियों की नियुक्ति किया है।वही इस मेले के दौरान किसी भी श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की कठिनाई व दखल न उत्पन्न हो इसके लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह से मुस्तैद दिखाई दे रही है।सावन झूला मेला को लेकर पर्याप्त संख्या में रैपिड एक्शन फोर्स के अलावा भारी संख्या में बाहर जिले से पुलिस कर्मियों एसएसपी राज करन नैय्यर की मांग पर उपलब्ध है।जिसे संवेदनशील व अतिसंवेदनशील मेला क्षेत्रों में तैनात किया जाएगा। इसके अलावा भारी संख्या में महिला पुलिस, पीएसी व जल पुलिस,बम स्क्वायड टीम, की भी तैनाती पुलिस प्रशासन द्वारा की गई है। वही मेले के दौरान किसी भी परिस्थिति से निपटने के जीआरपी ने भी पूरी तरह से कमर कस लिया है। अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर पर्याप्त संख्या में जीआरपी व आरपीएफ पुलिस,बम स्क्वायड टीम स्टेशन परिसर में मौजूद रहेगी। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक थाना अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पप्पू यादव ने बताया कि जीआरपी व आरपीएफ के साथ साथ बम स्क्वायड टीम के साथ स्टेशन परिसर में आने जाने वाले रेल यात्रियों व अन्य लोगों पर पैनी नजर रहेगी।वही मेले के दौरान इधर से गुजरने वाली सभी ट्रेनो पर जीआरपी व आरपीएफ के जवान बम स्क्वायड टीम के साथ सक्रिय रहेंगे।वही इसके अलावा इस मेले को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये रोडवेज व जीआरपी कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहते।सावन झूला मेले को लेकर रोडवेज विभाग ने बड़, तैयारी किया है। इस संबंध में आर एम रोडवेज विमल राजन ने बताया कि सावन झूला मेला के दौरान राम नगरी आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए श्रद्धालुओं के लिए जिले के अलग–अलग रुटो से 120 अतिरिक्त बसो का संचालन होगा।उन्होंने बताया कि लखनऊ, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़ के अलावा इलाहाबाद, अंबेडकरनगर सहित अन्य जनपदों के लिए रोडवेज ने विभाग ने अतिरिक्त बसें लगाई है।उनके मुताबिक 19 अगस्त से 31 अगस्त तक श्रद्धालुओं की सुविधाओं को देखते हुए यह बसे चलाई जाएगी।

सपा की नगर पालिका अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक पर राष्ट्रीय ध्वज के अपमान के आरोप में मुकदमा दर्ज

हरदोई, नगर पालिका परिषद, शाहाबाद की अध्यक्ष एवं सपा नेत्री नसरीन बानो और उनके पति सपा के पूर्व विधायक आसिफ खां बब्बू के विरुद्ध राष्ट्र ध्वज के अपमान करने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

शुक्रवार को सी ओ हेमन्त उपाध्याय ने बताया कि मौलागंज, शाहाबाद निवासी अनिल कुमार पांडेय की तहरीर पर दर्ज हुई रिपोर्ट में कहा गया है कि स्वतंत्रता दिवस के मौके पर नेहरू म्युनिसिपल कन्या इण्टर कालेज में स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के आयोजन के दौरान तिरंगे का मेजपोश बनाकर सजावट की गई थी। इसी मेजपोश पर पानी की बोतल व अन्य सामग्री रखी गई थी। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।कोतवाली शाहाबाद के इंस्पेक्टर दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर मिलने पर उन्होंने कालेज में पुलिस को भेजकर तिरंगा कलर से बने मेजपोश को बरामद करा लिया।

उधर सपा नेता पूर्व विधायक आसिफ खां बब्बू का कहना है कि तिरंगे का अपमान नहीं किया है। राजनीतिक साजिश और दबाव के चलते रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस का पर्व जगह-जगह झंडा रोहण कर दिलाई गई देश की एकता और अखंडता की शपथ

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन का झंडा रोहन कार्यक्रम भारत सरकार द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत औषधि निरीक्षक चंद्रेश द्विवेदी संस्था के अध्यक्ष शकील अहमद कार्यवाहक महामंत्री श्याम सिंह के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाला गया,इसके पूर्व ध्वजारोहण मुख्य अतिथि चंद्रेश द्विवेदी संरक्षक राजदेव यादव और शकील अहमद द्वारा किया गया।मुख्य अतिथि चंद्रेश द्विवेदी ने अपने उद्बोधन में स्वतंत्रता दिवस की कर्तव्यबोध एवं दायित्वबोध को याद दिलाया। संरक्षक राजदेव यादव ने 15 अगस्त के ऐतिहासिक पक्ष को याद दिलाते हुए शुभकामनाएं दिए मुख्य अतिथि ने 77वे स्वतंत्रता दिवस की थीम ष्राष्ट्र प्रथम,सदैव प्रथमष को याद दिलाते हुए सभी को पांच प्रण शपथ दिलाया।

हम विकसित भारत के निर्माण में अपनी भागीदारी निभायेंगे,गुलामी की मानसिकता से मुक्ति के हर संभव प्रयास करेंगे,देश के समृद्ध विरासत पर गर्व करेंगे इसके उत्थान के लिए हमेशा कार्य करेंगे,देश के एकता और एकजुटता के लिए सदैव प्रयासरत रहेंगे,नकली दवा एवं नशीली दवा को न बेचमें के लिए शपथ दिलाई। इसी क्रम में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत अल्फावेट प्री स्कूल मे अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट अध्यक्ष उर्वशी सिंह के द्वारा ध्वज फहराया गया,उर्वशी सिंह ने कहा कि देश इस बार अपना 77वां स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। आजाद हिन्दुस्तान ने इन 76 वर्षों में कई उपलब्धियां हासिल की हैं। अनगिनत स्वतंत्रता सेनाननियों ने बलिदान दिया।कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ पी के सिंह, दीपक श्रीवास्तव पत्रकार

आकांक्षा श्रीवास्तव, प्रियंका श्रीवास्तव, दीक्षा मल्लिका जायसवाल, स्नेहा सिंह, ज्ञान चंद्र गुप्ता, मनीष अस्थाना अंकित गुप्ता अन्य सम्माननीय लोग उपस्थित रहे।इसी क्रम में जेसीआई जौनपुर में जेसी बलवाड़ी स्कूल पर किया ध्वजारोहण और जरूरतमंद बच्चों में बाटी सामग्री।

नगर के युवाओं के अग्रणी समाजसेवी संस्था जेसीआई जौनपुर नें जरूरतमंद गरीब बच्चों के लिए चलाए जा रहे स्कूल जेसीज एच सी एफ बालवाड़ी जूनियर हाई स्कूल अहियापुर जौनपुर में ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण के बाद शहीदों की तस्वीरों पर माल्यार्पण किया गया और स्कूल के बच्चों को आज के दिन के महत्व के बारे में बताया गया। तत्पश्चात बच्चों को मिष्ठान वितरण के साथ–साथ शिक्षण सामग्री, पेंसिल बॉक्स, टिफिन आदि का वितरण भी किया गया। संस्था अध्यक्ष दिलीप सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस पर हमें उन शहीदों को नहीं भूलना चाहिए जिन्होंने इस देश की आजादी के लिए अपने प्राणों को निछावर कर दिया। जेसी बलवाड़ी स्कूल के संस्थापक चेयरमैन राकेश श्रीवास्तव ने आजादी के महत्व के बारे में बताया। । कार्यक्रम का संचालन संस्था सचिव आकाश केसरवानी ने किया।इसी क्रम में तिलकधारी महाविद्यालय में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में प्राचार्य प्रो. आलोक कुमार सिंह ने ध्वजारोहण किया।इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. आलोक कुमार सिंह ने कहा कि स्वतंत्रता हमें बलिदान से मिली है,अतः इसे सुरक्षित रखने के लिए हमें देश पर अपना सर्वस्व न्योछावर कर देना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने उच्च शिक्षा निदेशक का संदेश भी सुनाया। तत्पश्चात प्राचार्य द्वारा महाविद्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर प्रोफेसर दालसिंगार सिंह, डॉ संतोष कुमार, सहित महाविद्यालय के प्राध्यापक कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। इसी क्रम में भारत विकास परिषद शौर्य शाखा के जिला अध्यक्ष डॉ संदीप कुमार पांडे ने नगर के महावीर कान्वेंट स्कूल में ध्वजारोहण किया झंडे को सलामी दिया साथ ही लोगों को देश की एकता और अखंडता बनाए रखने की शपथ दिलाए। इसी क्रम में नगर के प्रख्यात दंत चिकित्सक डॉ प्रमोद कुमार ने अपने हॉस्पिटल शुभम डेंटल क्लीनिक पर ध्वजारोहण कर लोगों को राष्ट्रीय एकता और अखंडता की शपथ दिलाई इसी क्रम में साल्वेशन हॉस्पिटल के डायरेक्टर जनपद के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ विवेक कुमार श्रीवास्तव ने भी अपने हॉस्पिटल पर ध्वजारोहण कर लोगों को देश की संप्रभुता एकता और अखंडता बनाए रखने की अपने सभी डॉक्टर और कर्मचारियों को शपथ दिलाया इसी क्रम में गणेश मेमोरियल एंड चाइल्ड केयर एवं ईएटी सेंटर पर डॉ सलिल श्रीवास्तव व डॉ निधि श्रीवास्तव ने ध्वजारोहण करते हुए लोगों को आजादी के बारे में बताते हुए देश की एकता के लिए शपथ दिलाया किशोर पर काफी संख्या में चिकित्सा भी उपस्थित रहे। इसी क्रम में सामाजिक संस्था संगत पंगत के जिला अध्यक्ष पंकज श्रीवास्तव हैप्पी के नेतृत्व में संगठन द्वारा केंद्रीय कार्यालय पर ध्वजारोहण किया गया इस अवसर पर उपस्थित संगठन के तमाम पदाधिकारियों ने देश की एकता और अखंडता बनाए रखने के लिए शपथ लिया इस अवसर पर प्रमुख रूप से राजेश श्रीवास्तव बच्चा भैया दीपक श्रीवास्तव पत्रकार शरद श्रीवास्तव अनीश श्रीवास्तव अनुपम श्रीवास्तव अजय वर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

सॉफ्ट टिश्यू ग्राफ्टिंग विषय पर चेयरपर्सन मधु माथुर की अध्यक्षता में संगोष्ठी (CDE Program) आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्रदेश के प्रतिष्ठित एवं NAAC A' मान्यता प्राप्त संस्था सरस्वती डेंटल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, तिवारीगंज, लखनऊ के पेरिओडॉन्टोलॉजी विभाग द्वारा ष्सॉफ्ट टिश्यू ग्राफ्टिंग के विषय पर कॉलेज की चेयरपर्सन, श्रीमती मधु माथुर की अध्यक्षता में संगोष्ठी (ब्क्म् च्तव. हतंउ) आयोजित किया गया।

इस अवसर पर आर्मी डेंटल सेंटर, नई दिल्ली के पेरिओडॉन्टोलॉजी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर, लेफ्टि कर्नल (डा०) एस. पी श्रवणन, ने श्सॉफ्ट टिश्यू ग्राफ्टिंग की तकनीकी जानकारी, व्याख्यान में उपस्थित फैकल्टी एवं छात्रों को दी।

विगत 25 वर्षो से लखनऊ का सरस्वती डेंटल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, बीडीएस एवं एमडीएस छात्रों के लिए उच्च गुणवत्ता वाला शिक्षण एवं प्रशिक्षण प्रदान करता है जो विश्व स्तर के बुनियादी ढांचे और अत्यधिक विशिष्ट दंत चिकित्सा विभागों और दंत प्रत्यारोपण, लेजर, जराचिकित्सा देखभाल, चेहरे के कायाकल्प और तम्बाकू में विशेष क्लीनिकों का उपयोग करके राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय डेंटल सर्जनों के लिए प्रशिक्षण देता रहा है।

इस आयोजन को सफल बनाने में सरस्वती डेंटल कॉलेज एवं हॉस्पिटल, लखनऊ के प्रेसीडेंट डा० रजत माथुर, प्रधानाचार्य डा० के० एन० दुबे एवं विभागाध्यक्ष पेरिओडॉन्टोलॉजी, डा० विवेक बैंस तथा अन्य वरिष्ठ संकाय सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

लग्जरी के भव्य प्रदर्शन के साथ लखनऊ में आयोजित होने जा रहा है द लुक्सो शो का सेकंड एडिशन

लुक्सो शो के दूसरे एडिशन में मशहूर डिजाइनर्स, लक्जरी कारों, भव्य ज्वैलरी कलेक्शन के साथ देखने के लिए होगा बहुत कुछ

प्रसिद्ध डिजाइनर इस लग्जरी शो में प्राचीन और आधुनिक वैभावपूर्ण भारतीय कला के सम्मिश्रण वाले डिजाइंस को करेंगे प्रदर्शित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। नवाबों के शहर लखनऊ में लग्जरी और लाइफस्टाइल को भव्य तरीके से प्रदर्शित करने वाला शो द लुक्सो शो (टीएलएस) की बहुप्रतीक्षित दूसरे सीजन के साथ वापसी हो रही है। शो इस वर्ष के आयोजन पहले से भी अधिक शानदार और ऐश्वर्य से भरपूर होगा, जिसमें नामी डिजाइनरों, विश्व प्रसिद्ध लक्जरी कार ब्रांडों, अपने भव्य ज्वैलरी डिजाइस के लिए ख्याति प्राप्त ज्वैलर्स, रियल स्टेट और प्रीमियम ब्रांड्स की एक श्रृंखला प्रदर्शित की जाएगी। यह दो दिवसीय कार्यक्रम 26 और 27 अगस्त, 2023 को द सेंट्रम में आयोजित होगा।

इस शो में रितु कुमार, सामंत चौहान, गीशा डिजाइन बाय पारस एंड शालिनी, हाउस ऑफ थ्री से सौनक, मनोविराज खोसला, आलेख्या बाथ सुहानी गुरनानी, रवीना बेलानी, संचिता और श्रीलंका से कामिल हेवाविथाराना जैसे प्रसिद्ध डिजाइनर शामिल होंगे।

लुक्सो। लखनऊ और आसपास के शहरों में रहने वाले अभिजात्य वर्ग के लिए दिलचस्प अनुभवों और रोमांचक गतिविधियों के लिए एक शीर्ष आयोजन बनने के उद्देश्य के साथ वापस आ रहा है। कार्यक्रम में कई प्रभावशाली प्रतिभागी लग्जरी लाइफस्टाइल के नए ट्रेंड्स का प्रदर्शन और प्रतिनिधित्व करेंगे।

जुगल किशोर ज्वैलर्स के निर्देशक राघव रस्तोगी ने कहा, ष्हम लखनऊ में द लुक्सो शो के दूसरे संस्करण का हिस्सा बनने को लेकर बेहद उत्साहित हैं। यह कार्यक्रम हमें लखनऊ के पारखी ग्राहकों के लिए अपने नवीनतम आभूषण संग्रह को प्रदर्शित करने का एक शानदार अवसर प्रदान करेगा। हमें पूरा विश्वास हैं कि यह शो एक शानदार सफलता साबित होगा।

अलेख्या बाय सुहानी की संस्थापक सुहानी गुरनानी ने कहा, ष्लुक्सो शो हमें अपने ग्राहकों से जुड़ने और अपने अनूठे डिजाइन प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान कर रहा है। हम शो में भाग लेने और अपने ग्राहकों के साथ जुड़ने के लिए बेहद उत्सुक हैं।

कासा डर्मा की संस्थापक डॉ. ऐश्वर्या चौहान ने भी इस आयोजन के लिए अपना उत्साह साझा किया। उन्होंने कहा, ष्लुक्सो शो हमारे ब्रांड को लखनऊ के निवासियों के सामने पेश करने का एक शानदार जरिया है। हमारा मानना है कि यह शो हमारे ब्रांड के आगे बढ़ाने में योगदान देगा।

द सेंट्रम के संस्थापक सर्वेश गोयल ने द लुक्सो शो के आयोजन स्थल भागीदार होने पर गर्व व्यक्त किया। उन्होंने कहा, ष्हमें विश्वास है कि सेंट्रम की अत्याधुनिक सुविधा इस आयोजन के लिए एक आदर्श मेजबान स्थल होगी। हमें पूरा विश्वास है कि यह शो भारी सफलता हासिल करेगा।ष जश्न रियल्टी के डायरेक्टर राहुल अग्रवाल ने ष्द लक्सो शोष के बारे में बात करते हुए कहा, ष्परंपराओं की समृद्ध संयोजन के साथ तैयार किया गया द लक्सो शो एक ऐसा अद्वितीय शो है, जिसके हर रूप में ऐश्वर्य झलकता है। राहुल जैन, प्रेसिडेंट एंड हेड, नुवामा वेल्थ ने कहा, ष्हमें ऐसे विविधता से भरे शो के लिए लक्सो टीम के साथ साझेदारी करके बेहद प्रसन्नता हो रही है, जो हर रूप में लग्जरी को प्रदर्शित करता है। लक्सो अपने दर्शकों की लक्जरी जरूरतों को समझने और वन–स्टॉप शॉप के रूप में जाना जाता है। ऐसी जरूरतों के लिए नुवामा वेल्थ एक अनूठा और एकमात्र स्थान हैं, जो अभिजात्य और संपन्न लोगों से लेकर कॉरपोरेट तक ग्राहकों के विविधा समूह को अनुकूलित सेवाएं और समाधान प्रदान करता है। ऐसे में हमारा सहयोग स्वाभाविक है। यह सहयोग हामी ग्राहकों को बेहतर अनुभव प्रदान करेगा।

द लुक्सो शो के को फाउंडर और सीईओ रोहन सिंह ने शी के बारे में बात करते हुए कहा, ष्हम इस बार द लुक्सो शो में रितु कुमार और सामंत चौहान का स्वागत करते हुए बेहद रोमांचित हैं। उनके रचनात्मक विचार और कलात्मक दृष्टिकोण हमारे कार्यक्रम के शानदार और स्टाइलिश माहौल से पूरी तरह मेल खाते हैं। हमें विश्वास है कि द लुक्सो शो का यह सेकंड एडिशन लक्जरी शोज के लिए नए मानक स्थापित करेगा। ब्रांड और प्रतिभागियों की विविधता हमारे मेहमानों के लिए एक अद्वितीय अनुभव पेश करेगी।

प्रचार- प्रसार के अभाव में इंस्पायर अवार्ड मॉनक योजना 2023-24 में नामांकन की रफ्तार धीमी, छात्र हित में नहीं चलाया जा रहा जागरूकता अभियान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। केन्द्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक 'प्रधानमंत्री इंस्पायर अवार्ड मॉनक योजना 2023–24' में नामांकन की गति बहुत न्यून है,जिस पर शिक्षा निदेशक माध्यमिक व स्टेट नोडल ऑफिसर उत्तर प्रदेश डॉ0महेंद्र देव ने नाराजगी जाहिर करते हुए प्रदेश के सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों को अपने अपने जनपदों में नामांकन की गति बढ़ाकर सम्मानजनक संख्या में नामांकन कराने के कड़े निर्देश दिए हैं.

जे0डी0 माध्यमिक कार्यालय लखनऊ के मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी डॉ0दिनेश कुमार ने बताया कि लखनऊ मण्डल के 6 जनपदों के नामांकन की स्थिति घ्सीतापुर– अब तक सबसे अधिक– '482' नामांकन

लखीमपुरखीरी– '262' नामांकन
लखनऊ– '65' नामांकन
रायबरेली– '52' नामांकन
उन्नाव– '100' नामांकन
घ्हरदोई– '39' नामांकन
(टोटल कुल '1000' नामांकन)

डॉ. दिनेश कुमार ने बताया कि इस सत्र के नामांकन के लिए पोर्टल मई 2023 से ही खोल दिया गया था,लगभग 3 महीने के पश्चात भी नामांकन के आंकड़े पूरे मण्डल से कुल '1000' (एक हजार) ही हुए हैं जो बहुत कम हैं।

योजना में प्रत्येक जनपद से न्यूनतम एक हजार नामांकन की अपेक्षा की गई है।

जे डी माध्यमिक लखनऊ मण्डल डॉ प्रदीप कुमार सिंह ने मण्डल के सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों को अन्तिम तिथि 31 अगस्त से पूर्व अपने– अपने जनपद से नामांकन के सम्मानजनक आंकड़े पूरे करने के कड़े निर्देश दिए हैं।

डॉ दिनेश कुमार ने बताया कि इंसपायर अवार्ड मॉनक योजना में क्लास 6 से 10 तक के सभी बोर्ड के माध्यमिक व जूनियर हाईस्कूल के छात्र छात्राओं के नामांकन इन्सपायर अवार्ड मॉनक पोर्टल पर बनी स्कूल आई डी पर विद्यालय द्वारा करवाई जाती है,जिसमें छात्र छात्राओं के बेस्ट आइडियाज के न्यूनतम 150 शब्दों के लेख को अपलोड किया जाता है तथा प्रथम स्तर पर चयन होने पर प्रति छात्र प्रति मॉडल दस हजार रुपये उनके बैंक खाते में डी बी टी के माध्यम से प्रोत्साहन राशि के रूप में प्रदान किये जाते हैं, उन्हीं रुपयों से चयनित छात्र छात्रा अपने प्रोजेक्ट के मॉडल को मूर्त रूप देते हुए जनपद स्तर की प्रदर्शनी में मॉडल को शोकेश करते हैं।

डॉ0दिनेश कुमार ने बताया कि लखनऊ मण्डल के किसी भी विद्यालय को नामांकन करने में किसी भी प्रकार की समस्या आ रही हो तो वो मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी लखनऊ से सम्पर्क कर सकते हैं।

डॉ दिनेश कुमार ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी जे डी माध्यमिक लखनऊ कार्यालय की ओर से 'हेलो इन्सपायर हेल्पलाईन' खोली जाएगी जिस पर कोई भी विद्यालय इन्सपायर अवार्ड मॉनक योजना 2023–24 में नामांकन को लेकर शंका समाधान कर सकेंगे।नामांकन की अन्तिम तिथि 31 अगस्त घोषित है अतः लखनऊ मण्डल के प्रत्येक माध्यमिक विद्यालय के प्रिंसिपल्स से अनुरोध है कि वो अपने अपने विद्यालय से पांच पांच नामांकन करने का कष्ट करें।डॉ0दिनेश कुमार मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी लखनऊ मण्डल ने कहा कि इस योजना से छात्र– छात्राओं को अपने– अपने बेस्ट आइडियाज को प्रस्तुत कर लाभान्वित करना सबसे आसान है, प्रत्येक माध्यमिक विद्यालय व परिषद के उच्च प्राथमिक विद्यालयों के प्रिंसिपल्स से अनुरोध है कि इस योजना में पांच– पांच नामांकन अवश्य करवाएं।

कामना वाजपेई के नेतृत्व में दर्जनभर महिलाओं ने थाना अध्यक्ष पीजीआई से मिलकर बताई समस्याएं

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। कामना बाजपेई निवासी कासा ग्रीन्स एक्जाटिका ने कॉलोनी निवासी एक दर्जन महिलाओं के साथ थाने पर जाकर थानाध्यक्ष पीजीआई को दिए प्रार्थना पत्र में कहा है कि अपार्टमेंट के क्लब की सुविधाएं, जो निवासियो को रजिस्ट्री के दौरान बताई गई थी, उनसे आए दिन बाधित किया जा रहा है। जबकि राजिस्ट्री के दौरान प्रत्येक फ्लैट निवासियों से निर्धारित शुल्क (50,000 क्लब निर्माण एवं उपयोग हेतु) बिल्डर द्वारा किया गया था। किंतु वर्तमान समय मे – प्रतिमाह 500 रु. रखरखाव शुल्क लेने के बावजूद सुविधाए मेन्टीनेस ऑफिस के स्टेट मैनेजर अशफाक उल्ला खाँ के द्वारा बाधित कर दी जाती है।

स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर भी क्लब में कार्यक्रम मनाने के अधिकार से वंचित रखा गया। विवश होकर स्वतन्त्रता दिवस पार्किंग एरिया में मनाना पड़ा। प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय पर्वो को पार्किंग एरिया में मनाने के लिये विवश है। स्वतन्त्रता दिवस की पुर्व संध्या पर बच्चों की क्रिएटिव राइटिंग की प्रतियोगिता क्लब के टी टी रूम में करवाने के कारण स्वतंत्रता दिवस वाले दिन क्लब के टी टी रूम को जंजीरों से लाक कर दिया गया। बच्चे समय–समय पर स्टेट मैनेजर द्वारा प्रताडित किये जा रहे हैं। बच्चों को प्रांगण में खेलने की भी अनुमति नहीं है। बच्चे खेलने न पाएँ इसके लिए गाड़ियों को घुमा कर मार्ग बना दिया जाता है। जिससे खेलने का रास्ता अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि बिल्डर उस स्थान को भी अवैध रूप से पार्किंग के रूप में बेचना चाहता है। इससे पहले भी बिल्डर ने पार्किंग के लिए बेचा जिसका पुरजोर विरोध किया गया।

यूपी में भूजल संरक्षण करेगी योगी सरकार

संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में भूजल दोहन के कारण लगातार कई इलाकों में भूजल के स्तर में गिरावट की बात सामने आया हैं। इसके कारण प्रदेश में ग्राउंड वॉटर चार्जिंग स्टेशनों के निर्माण से भूजल संरक्षण को बढ़ावा दिया जा रहा है।

हिन्दी सान्ध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।